दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

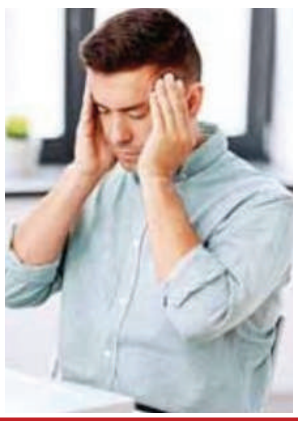

फिटनेस सिर्फ बॉडी नहीं सोच-जिंदगी भी बदलती है | घबराएं नहीं-सजग रहें क्योरेबल है ब्रेन ट्यूमर

वर्ष : 12 | अंक : 161 | लखनऊ, 05 जून, शुक्रवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

रेलवे ट्रैक पर मिले 3 शव, उड़ गए थे चीथड़े

धनबाद। यहां रांची-बोकारो लाइन के रेलवे ट्रैक पर 3 क्षत-विक्षत शव बरामद किए गए हैं। पुलिस को आशंका है कि ट्रैक पार करने के दौरान हादसे में तीनों की मौत हुई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है। मामला रांची-बोकारो लाइन पर राधागांव रेलवे स्टेशन का है। यहां तीनों के शव गुरुवार को पड़े मिले हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद को सड़क किनारे बिताई रात

कन्नौज। गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर गो-विष्टि यात्रा पर निकले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को कन्नौज में सड़क किनारे रात गुजारनी पड़ी। सड़क किनारे शिविर में रुके स्वामी के आसपास रात भर पुलिस फोर्स को भी तैनात किया गया। उन्होंने सड़क किनारे रुकने का कारण प्रशासन को बताया। आरोप है कि वह एक निजी स्कूल में ठहरना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने उन्हें अनुमति नहीं दी। अनुमति नहीं मिलने के कारण यहां पूरी रात गुजारी।

50 राउंड फायरिंग से दहला पटना का खुसरूपुर

पटना। पटना पुलिस की नाक के नीच पटना में बहुत बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया है। पटना के खुसरूपुर को गोलियां की तड़तड़ाहट से दहलाने का काम अपराधियों ने किया है। खुसरूपुर के चैनपुर गांव में 50 राउंड फायरिंग की गई है। फायरिंग में घायलों में 12 साल की नेहा कुमारी, 50 साल की सोना देवी और 26 साल के दीपक कुमार हैं।

500 करोड़ खर्च कर योगी सरकार 1300 स्कूलों में शुरू करने जा रही प्रोजेक्ट प्रवीण, स्कूलों से मांगी गई सूची

यूपी में 3 महीने से एक साल तक छात्रों को देगी ट्रेनिंग

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार 1300 स्कूलों में बड़ा काम करने जा रही है। स्कूलों में प्रोजेक्ट प्रवीण शुरू किया जाएगा। छात्रों को तीन महीने से लेकर एक वर्ष तक की ट्रेनिंग दी जाएगी।

अमन लेखनी समाचार/ लखनऊ,

यूपी में 1300 माध्यमिक स्कूलों में छात्रों के हित में योगी सरकार बड़ा काम करने जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने स्कूलों में प्रोजेक्ट प्रवीण शुरू करने जा रही है।। छात्रों को तीन महीने से लेकर एक वर्ष तक की ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रोजेक्ट प्रवीण पर सरकार अब 500 करोड़ रुपए खर्च करेगी। तीन महीने से लेकर एक वर्ष तक के ट्रेनिंग कोर्स चलाए जाएंगे।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि माधमिक शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर सरकारी स्कूलों की सुची मांगी गई है। जल्द माध्यमिक स्कूलों में ट्रेनिंग शुरू की जाएगी। अभी 1200 स्कूलों में प्रोजेक्ट प्रवीण चलाया जा रहा है। आगे इसकी संख्या बढ़कर 2500 हो जाएगी। कक्षा 9 से

कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ कौशल प्रशिक्षण की ट्रेनिंग भी दी जाएगी। छात्रो

विशेषज्ञों तथा संस्थाओं से एंकर पार्टनर चयन के लिए आवेदन मांगे

उधर. प्रदेश के युवाओं को रोजागार कौशल प्रशिक्षण तथा उद्योगों की जरूरत के मुताबिक स्किल्ड एवं सेमी स्किल्ड कार्यबल तैयार किया जाए। उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन निदेशालय ने प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर प्रस्तावित सरदार बल्लभ भाई पटेल एम्पलॉयमेंट जोन के विकास, संचालन के लिए विशेषज्ञों तथा संस्थाओं से एंकर पार्टनर चयन के लिए आवेदन मांगे हैं। उद्योग निदेशक के विजय पांडियन ने बताया कि 11 जून 2026 तक आवेदन विभाग की वेबसाइट पर किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसका मकसद उद्योगों के लिए आवश्यक स्किल्ड एवं सेमी-स्किल्ड कामगार तैयार करने के लिए प्रशिक्षण सुविधाओं का एकीकृत विकास करना है। युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण तथा प्लग एंड प्ले सुविधाएं उपलब्ध कराकर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। इसका संचालन 'हब एंड स्पोक' मॉडल पर किया जाएगा।

अब छात्र पढ़ाई के साथ कौशल प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र भी हासिल करेंगे

आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, ब्यूटीशियन, हेल्थकेयर, रिटेल व एकाउंटिंग के सेक्टर में तीन महीने से लेकर एक वर्ष तक के सर्टिफिकेट कोर्स में ट्रेनिंग देने की व्यवस्था होगी। छात्र पढ़ाई के साथ-साथ कौशल प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र भी हासिल कर सकेंगे। उन्हें अपनी रूचि के अनुसार प्रशिक्षण कोर्स तय करने का अवसर दिया जाएगा।

पर्यटन नीति को लेकर बोले सीएम योगी

नीम करोली बाबा सर्किट व बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट का किया जाएगा विकास

पर्यटन से रोजगार और अर्थव्यवस्था को मिल रही रफ्तार

यूपी पर्यटन नीति में बदलाव को लेकर सीएम योगी ने गुरुवार को समीक्षा बैठक की। सीएम योगी ने आगरा, नैमिषारण्य, लखनऊ में चल रही कार्य योजनाओं को लेकर बैठक की और अफसरों को निर्देश जारी किए।

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / लखनऊ,

यूपी की पर्यटन नीति में जल्द ही बदलाव किए जाएंगे। पर्यटन विभाग की समीक्षा के दौरान सीएम योगी ने निर्देश दिए। उन्होंने कहा, पर्यटन विकास को केवल आधारभूत संरचना निर्माण तक सीमित न रखकर उसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़ते हुए आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मीटिंग में नीम करोली बाबा सर्किट तथा बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट के रूप में नए क्षेत्रों के विकास पर चर्चा हुई। साथ ही 'परंपरा' विरासत अनुभव केंद्र, कृषि पर्यटन तथा वाइनयार्ड पर्यटन जैसी नई अवधारणाओं को बढ़ावा देने पर भी विचार-विमर्श किया गया। समीक्षा बैठक में सीएम योगी ने कहा, उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नई गति देने में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा, यूपी केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक परंपरा और ज्ञान विरासत का प्रतिनिधि प्रदेश है। पर्यटन विकास के माध्यम से स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, खानपान, संस्कृति और सेवा क्षेत्र को भी व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।

सीएम ने की भारतम् मिशन की समीक्षा

भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण से जुड़े ज्ञान भारतम मिशन की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की प्राचीन पांडुलिपियां हमारी सभ्यता, दर्शन, विज्ञान और सांस्कृतिक चेतना की अमूल्य धरोहर हैं। इनका संरक्षण और डिजिटलीकरण केवल अभिलेखीकरण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम है। बैठक में अब तक 13 लाख 70 हजार से अधिक पाडुलिपियों के सर्वेक्षण, डिजिटलीकरण और संरक्षण की प्रगति की जानकारी दी गई। पर्यटन नीति-2022 में प्रस्तावित संशोधनों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को निवेश, नवाचार और अनुभव आधारित पर्यटन का अग्रणी केंद्र बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन नीति ऐसी हो जो निवेश आकर्षित करे, रोजगार बढ़ाए और पर्यटकों को विशिष्ट अनुभव प्रदान करे।

नैमिषारण्य में कार्ययोजना को मिशन मोड पर बढ़ाएं आगे

नैमिषारण्य के समग्र विकास की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल एक तीर्थस्थल नहीं, बल्कि भारत की वैदिक ज्ञान परंपरा, आध्यात्मिक साधना और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है। इसके विकास में धार्मिक आस्था, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के बीच संतुलन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

राष्ट्रनायकों की प्रेरक गाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना राष्ट्रीय दायित्व

आगरा में निर्माणाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय की समीक्षा करते हुए सीएम ने कहा कि राष्ट्रनायकों की प्रेरक गाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना राष्ट्रीय दायित्व है। संग्रहालय में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, स्वराज्य स्थापना, आगरा आगमन, औरंगजेब के दरबार में उनके अदम्य साहस, आगरा से ऐतिहासिक प्रस्थान, राज्याभिषेक, सैन्य नेतृत्व, हिंदवी स्वराज्य, किलों के विकास तथा सुशासन की अवधारणा को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा।

योगी सरकार का बड़ा फैसला

यमुना एक्सप्रेस-वे 'नो प्रोटेस्ट जोन' घोषित, धरना-प्रदर्शन पर रोक लगा

अमन लेखनी समाचार/ लखनऊ,

यमुना एक्सप्रेस-वे पर यातायात व्यवस्था को सुरक्षित, सुचारू और बाधारहित बनाए रखने के लिए गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट ने बड़ा कदम उठाया है। यमुना एक्सप्रेस-वे के गौतमबुद्धनगर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 0 किलोमीटर से 41 किलोमीटर तक के हिस्से को 'नो प्रोटेस्ट जोन' घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय इलाहाबाद हाई कोर्ट के 22 मई के निर्देशों के अनुपालन में लिया गया है। नए आदेश के तहत एक्सप्रेस-वे के इस क्षेत्र में किसी भी राजनीतिक, गैर-राजनीतिक या अन्य संगठन द्वारा धरना-प्रदर्शन, विरोध प्रदर्शन, रैली अथवा आंदोलन आयोजित करने की अनुमति नहीं होगी।

देश के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल है एक्सप्रेस-वे

यमुना एक्सप्रेस-वे देश के प्रमुख और व्यस्ततम मार्गों में से एक है। इस मार्ग पर प्रतिदिन हजारों वाहन दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और आगरा के बीच आवागमन करते हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार के धरने या प्रदर्शन से यातायात बाधित होने और यात्रियों को परेशानी होने की आशंका रहती है।

जनजागरूकता अभियान भी

गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट इस आदेश के संबंध में व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चला रहा है। एक्सप्रेस-वे के प्रमुख स्थानों, पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय और संबंधित थाना परिसरों में सूचना बोर्ड लगाए जा रहे हैं।

पीएम मोदी और वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज की अहम बैठक

ऊर्जा सुरक्षा और विकास के क्षेत्र में साथ काम करने पर बनी सहमति

दवा उद्योग, निवेश व्यापार और परिवहन पर भी विशेष फोकस

बैठक में ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश, दवा उद्योग, स्वास्थ्य सेवाओं, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा और ऑटोमोबाइल उद्योग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पांच दिवसीय भारत दौरे पर आईं वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने पीएम नरेंद्र मोदी से विस्तृत और व्यापक बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-वेनेजुएला द्विपक्षीय संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि बैठक में ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश, दवा उद्योग, स्वास्थ्य सेवाओं, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा और ऑटोमोबाइल उद्योग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया।

'ग्लोबल साउथ' के हितों को बढ़ाने पर जोर

पीएम नरेंद्र मोदी और वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज बातचीत करते हुए

विदेश मंत्री जयशंकर से भी हुई मुलाकात

इससे पहले डेल्सी रोड्रिगेज ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की। जयशंकर ने बताया कि डेल्सी रोड्रिगेज से मुलाकात कर उन्हें खुशी हुई और भारत-वेनेजुएला संबंधों को मजबूत करने में उनके लंबे समय से दिए गए योगदान की वह सराहना करते हैं।

प्रतिनिधि मंडल करेगा दौरा

विदेश मंत्रालय के अनुसार, रोड्रिगेज के साथ एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसके सदस्य ऊर्जा, दवा और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न प्रतिष्ठानों का दौरा करेंगे। औद्योगिक क्षमताओं को समझना तथा सहयोग के नए अवसर तलाशना है।

राजघाट पर महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बापू की स्थायी विरासत को नमन करते हुए कहा कि गांधी के आदर्श आज भी भारत-वेनेजुएला संबंधों के लिए प्रासंगिक हैं। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर लिखा कि 'बापू की स्थायी विरासत को नमन' करते हुए रोड्रिगेज ने राजघाट पर श्रद्धांजलि दी।

निवेश अवसरों पर हुई बातचीत

पीएम मोदी ने सिटीग्रुप चेयरपर्सन जेन फ्रेजर से की मुलाकात

पीएम नरेंद्र मोदी ने सिटीग्रुप की चेयरपर्सन और सीईओ जेन फ्रेजर से मुलाकात की। बैठक में भारत की तेज आर्थिक वृद्धि, निवेश अवसरों, वैश्विक पूंजी प्रवाह और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने पर विस्तृत चर्चा हुई। पीएम मोदी ने बैठक में अपने विजन को साझा करते हुए आर्थिक विकास की रफ्तार तेज करने, भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजारों में विस्तार के अवसर प्रदान करने और देश में विदेशी निवेश बढ़ाने पर जोर दिया।

क्षेत्रीय मुद्दों पर भी हुई चर्चा

विदेश मंत्रालय के अनुसार, बातचीत के दौरान वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दोनों पक्षों ने सहमति व्यक्त की कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत और वेनेजुएला के बीच सहयोग को और सशक्त बनाना आवश्यक है। बैठक में 'ग्लोबल साउथ' के हितों को आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया।

डेलीगेशन ऑफ फाइनेंशियल पावर्स जारी करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

सैन्य उपकरणों की खरीद प्रक्रिया तेज

रक्षा मंत्री ने दोगुनी की फील्ड कमांडरों की वित्तीय शक्तियां

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा सेवाओं के लिए वित्तीय शक्तियों के संशोधित प्रत्यायोजन (डेलीगेशन ऑफ फाइनेंशियल पावर्स) को जारी किया। चिकित्सा और निर्माण परियोजनाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में वित्तीय शक्तियों में 100% तक वृद्धि की गई है।

कुछ मामलों में यह बढ़ोतरी दोगुने से भी अधिक है। इस कदम से फील्ड कमांडरों की परिचालन क्षमता मजबूत होगी और अनुबंधों को शीघ्र अंतिम रूप देने के साथ परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

संशोधित वित्तीय शक्तियों के तहत चालू वित्त वर्ष के बजटीय आवंटन के अनुरूप राजस्व मार्ग से 1.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक की खरीद को समर्थन मिलेगा।

आत्मनिर्भरता और अनुसंधान को बढ़ावा

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने और विदेशी मूल उपकरण निर्माताओं पर निर्भरता कम करने के लिए स्वदेशीकरण तथा अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) से संबंधित वित्तीय शक्तियों को दोगुना कर दिया गया है। इससे स्वदेशी रक्षा तकनीकों और उपकरणों के विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सेना, नौसेना और वायुसेना के कमांडरों को सौंपी गई विशेष वित्तीय शक्तियों में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। तत्काल परिचालन जरूरतों को पूरा करने के लिए निर्धारित कुल वित्तीय सीमा में भी 100% की बढ़ोतरी की गई है।

2021 के बाद पहली बार हुआ बड़ा संशोधन

वित्तीय शक्तियां आखिरी बार वर्ष 2021 में अधिसूचित की गई थीं। सैन्य बलों के विस्तार, बजटीय आवंटन में वृद्धि और परिचालन एवं रखरखाव व्यय में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए इन शक्तियों में संशोधन आवश्यक हो गया था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार अक्टूबर 2025 में अधिसूचित संशोधित रक्षा खरीद नियमावली के साथ यह नया ढांचा रक्षा खरीद प्रक्रिया को और अधिक तेज तथा प्रभावी बनाएगा। ससे त्वरित निर्णय लेने में मदद मिलेगी और संसाधनों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

कुवैत में घायलों से मिलीं भारत की राजदूत त्रिपाठी

कुवैत सिटी। कुवैत में भारत की राजदूत पारमिता त्रिपाठी ने उन भारतीय नागरिकों से मुलाकात की, जो कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले में घायल हुए हैं। उन्होंने घायल भारतीयों को दूतावास की तरफ से हर संभव सहायता देने का भरोसा दिया। राजदूत कुवैत के सेंट्रल मॉर्चुरी (शवगृह) भी गईं, जहां उस भारतीय नागरिक का पार्थिव शरीर रखा गया है जिसकी इस हमले में जान चली गई। राजदूत ने क्रिमिनल एविडेंस विभाग के जनरल मैनेजर ब्रिगेडियर अब्दुल रहीम अल-अवधी से भी मुलाकात की।

मेजर प्रभात मिश्रा को यूएस में मिले दो अवार्ड

नई दिल्ली। भारतीय सेना के मेजर प्रभात मिश्रा को अमेरिका के कंसास स्थित फोर्ट लीवनवर्थ में यूएस आर्मी कमांड एंड जनरल स्टाफ कॉलेज के कमांड एंड जनरल स्टाफ ऑफिसर कोर्स के दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया गया। उन्हें बिरर-ब्रूक्स अवॉर्ड फॉर आउटस्टैंडिंग मास्टर ऑफ मिलिट्री आर्ट्स एंड साइंस थीसिस और जनरल डगलस मैकआर्थर मिलिट्री लीडरशिप राइटिंग अवॉर्ड मिला। यह कोर्स 10 महीने का उन्नत सैन्य नेतृत्व कार्यक्रम है, जिसमें इस बैच में 951 अधिकारियों ने भाग लिया।

किशोरियों को अपहरण कर दूसरे प्रदेशों में बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़

सरगना समेत पांच गिरफ्तार.....

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज पुलिस ने नाबालिग किशोरियों का अपहरण कर उन्हें दूसरे राज्यों में बेचने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए गिरोह की सरगना समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया पुलिस इससे पहले अपहृत दो नाबालिग किशोरियों को राजस्थान से सकुशल बरामद कर चुकी मामले के खुलासे के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया मामला 12 मई को मोहनलालगंज क्षेत्र की एक महिला ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसकी बेटी की मृत्यु हो चुकी है और उसकी 16 वर्षीय व 12 वर्षीय दो नातिनें उसके साथ रहती महिला ने आरोप लगाया था कि रायबरेली की एक किशोरी दोनों नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गई शिकायत मिलते ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। गौरा पुलिस चौकी प्रभारी सौरभ सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सर्विलांस की मदद से जांच आगे बढ़ाई विवेचना के दौरान सामने आया कि रायबरेली निवासी प्रिया पटेल ने अपने साथियों के साथ मिलकर दोनों किशोरियों को अपहरण कर राजस्थान पहुंचाया था पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि किशोरियों को बेचने की नीयत से वहां ले जाया गया था। इसके बाद मोहनलालगंज पुलिस की टीम राजस्थान रवाना हुई और अभियान चलाकर दोनों नाबालिग किशोरियों को सकुशल बरामद कर लिया बरामदगी के बाद पुलिस ने गिरोह के सदस्यों की तलाश तेज कर दी।जांच में यह भी खुलासा हुआ कि यह गिरोह पहले भी रायबरेली जिले की दो अन्य नाबालिग लड़कियों का अपहरण कर उनका सौदा कर चुका पुलिस के अनुसार गिरोह सुनियोजित तरीके से किशोरियों को अपने जाल में फंसाकर उन्हें दूसरे राज्यों में ले जाकर बेचने का काम करता था पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह की सरगना प्रिया पटेल अनुराग यादव निवासी कोडरस बिजौर थाना मिल एरिया रायबरेली मोहम्मद अख्तर निवासी कोरिहर थाना गुरुबक्शगंज रायबरेली तथा दो बाल अपचारियों को गिरफ्तार कर लिया अपहरण में प्रयुक्त कार भी पुलिस ने बरामद कर ली है। एसीपी मोहनलालगंज ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि नाबालिग किशोरियों के अपहरण की सूचना मिलते ही पुलिस की कई टीमों का गठन किया गया था तकनीकी साक्ष्यों और सतत निगरानी के आधार पर दोनों किशोरियों को राजस्थान से सकुशल बरामद किया गया जांच में एक अंतरराज्यीय गिरोह की संलिप्तता सामने आई जिसके प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया गिरोह के अन्य संपर्कों और संभावित मामलों की भी जांच की जा रही किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया वहीं मामले में आगे की जांच जारी है ताकि गिरोह के पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

जीने से नीचे गिरकर महिला की मौत, भाई ने लगाया हत्या का आरोप

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। क्षेत्र के धौरा गांव में जीने से गिरकर महिला की मौत के मामले में बृहस्पतिवार को मायके पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने मृतका के पति समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। क्षेत्र के धौरा गांव निवासी संजीत की 38 वर्षीय पत्नी मंजू की बुधवार शाम चार बजे छत से उतरते समय जीने से गिरने से मौत हो गई थी। घटना के बाद बृहस्पतिवार को स्थानीय क्षेत्र के बबुरी गांव निवासी मृतका के भाई ज्ञानेंद्र कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी बहन की ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट कर हत्या की है। तहरीर में पति रंजीत, ससुर प्रेम शंकर, सास कुमारी, देवर अजीत और देवरानी रेखा वर्मा को नामजद किया।पुलिस ने तहरीर के आधार पर पांचों आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। वहीं पोस्टमार्टम के बाद मायके पक्ष के लोग शव को बबुरी गांव ले गए, जहां खेत में अंतिम संस्कार कर दिया। कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि मृतका के भाई की तहरीर पर पति समेत पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल, युवती का टूटा पैर

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में बुधवार को एक तेज रफ्तार पिकअप डाला की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। हादसे में एक युवती का पैर टूट गया, जबकि दो अन्य लोगों को भी गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्नाव जिले के हसनगंज थानान्तर्गत कुरौली निवासी विवेक कुमार मौर्या के मुताबिफ वह अपनी रिश्तेदार अनामिका और रुबी के साथ बुधवार को बाइक से बंथरा के कटीबगिया से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीटीसी कंपनी के सामने लाइफ लाइन हॉस्पिटल के पास एक अनियंत्रित पिकअप डाला (यूपी-35 सीटी 1024) ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में विवेक और अनामिका गंभीर रूप से घायल हो गए। अनामिका के पैर में गंभीर फ्रैक्चर होने के कारण उसे पहले लाइफ लाइन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। दुर्घटना में बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर पुलिस मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

तहसील मुख्यालय के पास बनेगा नया सब-रजिस्ट्रार कार्यालय

अधिवक्ताओं के आंदोलन की जीत: बार एसोसिएशन ने सरकार का जताया आभार

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने गुरुवार को तहसील स्थित बार भवन में प्रेस वार्ता आयोजित कर सरकार द्वारा नए सब-रजिस्ट्रार कार्यालय के लिए तहसील मुख्यालय के निकट भूमि आवंटित किए जाने पर खुशी व्यक्त की बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कौशलेंद्र शुक्ला और महामंत्री रामलखन यादव ने कहा कि अधिवक्ताओं के लंबे संघर्ष और आंदोलन के बाद सरकार ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए तहसील परिसर के समीप नए सब-रजिस्ट्रार कार्यालय की स्थापना का रास्ता साफ कर दिया है।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अध्यक्ष कौशलेंद्र शुक्ला ने कहा कि वर्तमान में मोहनलालगंज तहसील भवन के दूसरे तल पर संचालित सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में स्थान की भारी कमी क्षेत्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में रजिस्ट्रियां और विभिन्न प्रकार के विलेखों का पंजीकरण होता जिससे कार्यालय में आने वाले लोगों अधिवक्ताओं और कर्मचारियों को काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ता उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में इस समस्या को लेकर बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने बार एसोसिएशन को प्रार्थना पत्र दिए थे इसके बाद बार एसोसिएशन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासनिक अधिकारियों और शासन स्तर पर ज्ञापन भेजकर नए एवं विस्तृत सब-रजिस्ट्रार कार्यालय की मांग उठाई थी सरकार ने इस मांग को संज्ञान में लेते हुए प्रारंभिक रूप से मुहारी क्षेत्र में भूमि चिन्हित की थी लेकिन वह स्थान तहसील मुख्यालय से काफी दूर था बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि मुहारी क्षेत्र में कार्यालय बनाए जाने से वादकारियों दस्तावेज पंजीकरण कराने आने वाले लोगों तथा अधिवक्ताओं को अनावश्यक परेशानी होती। इसी कारण बार एसोसिएशन ने उस प्रस्ताव का विरोध किया और विभिन्न माध्यमों से आंदोलन चलाया अधिवक्ताओं ने धरना-प्रदर्शन ज्ञापन और अन्य लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी आवाज शासन तक पहुंचाई महामंत्री रामलखन यादव ने कहा कि अधिवक्ताओं के विरोध और सुझावों को सरकार ने गंभीरता से लिया इसके बाद तहसील मुख्यालय के बिल्कुल निकट ईवीएम कार्यालय के पास स्थित लगभग 17 बिस्वा भूमि को नए सब-रजिस्ट्रार कार्यालय के लिए चयनित किया गया हाल ही में इस प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी भी मिल गई जिससे कार्यालय निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि तहसील मुख्यालय के पास नया और विस्तृत सब-रजिस्ट्रार कार्यालय बनने से क्षेत्र के हजारों लोगों को सुविधा मिलेगी साथ ही अधिवक्ताओं और वादकारियों का समय भी बचेगा तथा पंजीकरण संबंधी कार्य अधिक व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकेंगे। वही प्रेस वार्ता के दौरान बार एसोसिएशन ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने अधिवक्ताओं और आम जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सकारात्मक निर्णय लिया पदाधिकारियों ने कहा कि इस निर्णय से अधिवक्ताओं में खुशी की लहर और पूरा अधिवक्ता समाज सरकार का कृतज्ञ अंत में बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने प्रेस वार्ता में उपस्थित सभी पत्रकारों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मीडिया ने भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाकर जनहित की आवाज शासन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

डॉ. राजेश्वर सिंह ने लतीफनगर को दी विकास परियोजनाओं की सौगात,

36 लाख के पंचायत भवन (मिनी सचिवालय) का किया लोकार्पण

डॉ. राजेश्वर सिंह के प्रयासों से लतीफनगर में विकास को नई गति, 13.5 करोड़ के राजकीय डिग्री कॉलेज से बदलेगा क्षेत्र का भविष्य

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने आज ग्रामसभा लतीफनगर में 36 लाख की लागत से निर्मित पंचायत भवन (मिनी सचिवालय) एवं विभिन्न जनहितकारी विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह केवल आधारभूत संरचना का विस्तार नहीं, बल्कि सुशासन, जनसुविधाओं एवं ग्रामीण सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि पंचायत भवन (मिनी सचिवालय) ग्रामीण नागरिकों को प्रशासनिक सेवाएं उनके द्वार तक उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने लतीफनगर राजकीय डिग्री कॉलेज के निर्माण हेतु 13.5 करोड़ की स्वीकृति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह परियोजना सरोजनीनगर के विद्यार्थियों और ग्रामीण युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को समर्पित है। कार्यक्रम के दौरान हाईस्कूल परीक्षा में 89.5% अंक प्राप्त करने वाली कु. शेजल चौरसिया को लैपटॉप प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम बताते हुए विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि सरोजनीनगर के विद्यालयों में कंप्यूटर लैब, मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप, साइकिल एवं अन्य सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास लगातार जारी हैं। महिला सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि सरोजनीनगर में संचालित 180 से अधिक तारा शक्ति केंद्र महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, जहां अब तक 1 लाख से अधिक झंडे एवं 50 हजार से अधिक स्कूल बैग तैयार किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 5000 करोड़ की लखनऊ-कानपुर एलिवेटेड फर्ङ्गी, लगभग 200 करोड़ के हरौनी पुल, डिग्री कॉलेज, आयुर्वेदिक अस्पताल और पंचायत भवन जैसी परियोजनाएं क्षेत्र के विकास को नई गति दे रही हैं। साथ ही 225 से अधिक मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं 500 मंदिरों के संरक्षण के लक्ष्य का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर महिलाओं एवं ग्रामीणों के लिए राम रथ के माध्यम से अयोध्या दर्शन, रोजगार सृजन, औद्योगिक निवेश और 247 जनसहायता कार्यालय के माध्यम से निरंतर जनसेवा के प्रयासों की भी जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में श्रीमती मालती शुक्ला (प्रधान), श्री तरुण शुक्ला (प्रधान प्रतिनिधि), श्री वीरेंद्र तिवारी, श्री अजय शुक्ला, श्री आशु शुक्ला, श्री सोनू त्रिवेदी, श्री शंकरी सिंह, श्री राजेश सिंह, श्री गिरीश तिवारी जी सहित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों की उपस्थिति रही। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक संरक्षण एवं जनसेवा के माध्यम से सरोजनीनगर को आत्मनिर्भर, समृद्ध एवं विकसित बनाना है।

आधुनिक तकनीक से सशक्त होगी सुरक्षा व्यवस्था: सीएम

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी सुरक्षा बल की वास्तविक शक्ति उसके प्रशिक्षित, अनुशासित और तकनीकी रूप से दक्ष कार्मिक होते हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि सुरक्षा बलों के प्रशिक्षण व्यवस्था को अधिक व्यवहारिक और तकनीक आधारित बनाया जाए, ताकि सुरक्षा बलों के जवान हर परिस्थिति में प्रभावी और त्वरित प्रतिक्रिया देने में सक्षम हों।

गुरुवार को उत्तर प्रदेश प्रांतीय आर्म्ड कांस्टेबुलरी (पीएसी), एसडीआरएफ तथा उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपीएसएसएफ) के आधुनिकीकरण, क्षमता विस्तार, प्रशिक्षण, अवसंरचना विकास एवं भावी कार्ययोजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कहा कि पीएसी, एसडीआरएफ और यूपीएसएसएफ प्रदेश की सुरक्षा प्रणाली के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और इन्हें भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने पीएसी बल का गणवेश सिविल पुलिस से अलग करने की आवश्यकता भी जताई।

मुख्यमंत्री ने पीएसी के डिजिटलीकरण एवं तकनीकी उन्नयन की समीक्षा करते हुए कहा कि आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था में सूचना प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए। बैठक में बताया गया कि सभी पीएसी वाहनों में जीपीएस एवं डैशकैम स्थापित करने तथा त्वरित प्रतिक्रिया वाहनों की व्यवस्था विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के समक्ष उत्तर प्रदेश पीएसी एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) परियोजना की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई।इसके माध्यम से प्रदेश की सभी पीएसी वाहिनियों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। जीपीएस आधारित वाहन ट्रैकिंग, ड्रोन एवं एआई आधारित निगरानी, लाइव कमांड एवं कंट्रोल सेंटर तथा सुरक्षित संचार प्रणाली विकसित किए जाएंगे। इससे कानून-व्यवस्था, चुनावी तैनाती, महिला सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन में बेहतर समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी।मुख्यमंत्री ने महिला सुरक्षा के दृष्टिकोण से महिला बटालियनों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि बदायूं, लखनऊ और गोरखपुर में महिला बटालियनों का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री ने तीनों बटालियन परिसर में क्रमशः वीरांगना अवंतीबाई, वीरांगना उदा देवी और वीरांगना झलकारी बाई की अश्वारोही प्रतिमा स्थापित करने के निर्देश दिए।यह भी बताया गया कि बलरामपुर, मीरजापुर और जालौन में नई महिला वाहिनियों से संबंधित कार्यवाही भी आगे बढ़ाई जा रही है।मुख्यमंत्री ने आगामी मानसून को देखते हुए बाढ़ एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

सीएम धामी ने 'कृष्णा' वट का किया रोपण

उत्तराखंड में जैव विविधता संरक्षण को मिलेगा नया आयाम

अमन लेखनी समाचार

मधुमक्खियों, तितलियों और पक्षियों के लिए तैयार होगा विशेष प्राकृतिक आवास

देहरादून। पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता संवर्धन की दिशा में एक अभिनव पहल करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास परिसर स्थित राजकीय उद्यान, सर्किट हाउस में विकसित किए जा रहे 3-बी गार्डन की शुरूआत की। इस अवसर पर उन्होंने 'कृष्णा' वट का पौधा रोपित कर परियोजना का शुभारम्भ किया।

3-बी गार्डन का उद्देश्य मधुमक्खियों, तितलियों और विभिन्न पक्षी प्रजातियों के लिए अनुकूल प्राकृतिक वातावरण तैयार करना है। इस उद्यान को ऐसे पौधों और वृक्षों से विकसित किया जा रहा है जो परागण प्रक्रिया को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय जैव विविधता को भी मजबूत करें। प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए पूरे क्षेत्र में रासायनिक कीटनाशकों और हानिकारक तत्वों के उपयोग से परहेज किया जाएगा।

इस पहल से न केवल परागण करने वाले जीवों के संरक्षण को बल मिलेगा, बल्कि मधुमक्खी पालन जैसी आजीविका गतिविधियों को भी प्रोत्साहन प्राप्त होगा। साथ ही यह उद्यान पर्यावरण शिक्षा और प्रकृति के प्रति जनजागरूकता का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने की दिशा में कार्य करेगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उद्यान विभाग ने पूर्व में ही इस परियोजना की रूपरेखा तैयार कर उपयुक्त पौधों के चयन और रोपण का कार्य शुरू कर दिया था। उद्यान में फलदार, औषधीय, पुष्पीय एवं सुगंधित प्रजातियों को शामिल किया जा रहा है, जिनमें जामुन, शहतूत, अमरूद, सहजन, नीम, कदम्ब, कपूर, बांस, गुड़हल, सूरजमुखी, तुलसी, लैवेंडर, रोजमेरी, पुदीना सहित अनेक प्रजातियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त तितलियों और मधुमक्खियों को आकर्षित करने वाले विशेष फूलों एवं झाड़ियों का भी रोपण किया जा रहा है। परिसर में मौजूद पुराने एवं क्षतिग्रस्त वृक्षों के आसपास नई हरियाली विकसित करने की योजना के तहत व्यापक पौधारोपण अभियान भी संचालित किया जा रहा है। वहीं हिमालयी पारिस्थितिकी से जुड़े बांज, बुरांश, तेजपत्ता और पया जैसी प्रजातियों के पौधे भी लगाए गए हैं, जो अब परिसर की प्राकृतिक सुंदरता और पारिस्थितिक समृद्धि में उल्लेखनीय वृद्धि कर रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी ने परिसर में संचालित पर्यावरणीय गतिविधियों की सराहना करते हुए उद्यान विभाग को मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहलें पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय आजीविका और पारिस्थितिक संतुलन को भी सुदृढ़ करेंगी। कार्यक्रम में सचिव शैलेश बगौली, उद्यान निदेशक डॉ. आरके सिंह तथा नरेंद्र यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष जनकल्याण के स्वर्णिम अध्याय : भूपेन्द्र चौधरी

आगरा/लखनऊ। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री तथा आगरा के प्रभारी मंत्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष भारत के विकास, सुशासन, सेवा और जनकल्याण के स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हुए हैं। इन वर्षों में गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इन योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर जनसामान्य तक लाभ पहुंचाया गया है। नवीन सर्किट हाउस सभागार आगरा में आयोजित समीक्षा बैठक एवं प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 05 जून से 21 जून तक प्रदेशभर में सेवा, सुशासन, संस्कार एवं सम्मान अभियान चलाया जाएगा।

चखनी घाट के निर्माणाधीन पुल में आयी दरार, डीएम सख्त

अधिशासी अभियंता को नोटिस जारी, पुल की जांच के लिए समिति गठित, खामियां मिलने पर शासन को देंगे रिपोर्ट

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। देवरिया के भाटपाररानी क्षेत्र स्थित चखनी घाट पर खंनुवा नदी पर बन रहे 16 करोड़ रुपये की लागत वाले निमार्णाधीन पुल का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। पुल के पिलर और स्लैब में कई फीट लंबी दरार पड़ने के बाद कंक्रीट का हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जिले के खनुआ नाला के चखनी घाट पर बन रहे पुल के एक पिलर व स्लैब में खामियां आने के बाद डीएम मधुसूदन हुल्गी अब सख्त हो गए हैं। उन्होंने गुरुवार को सेतु निगम के अलावा तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। टीम दो दिनों में जांच रिपोर्ट तैयार कर जिलाधिकारी को सौंपेंगी। इसके बाद निलंबन व अन्य कार्रवाई अधिकारियों के विरुद्ध की जा सकती है। उधर डीएम ने तत्काल प्रभाव से अधिशासी अभियंता सेतु निगम को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। डीएम के सख्त रुख के बाद विभाग में खलबली मच गई है।

यूपी-बिहार को जोड़ने वाली अहम परियोजना

चखनी घाट पर बन रहा यह पुल उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच संपर्क को बेहतर बनाने वाली महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल है। पुल बनने के बाद दोनों राज्यों के हजारों लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद थी। हालांकि निर्माण के दौरान ही पुल में दरार आने से पूरी परियोजना की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण शुरू होने के बाद से ही गुणवत्ता संबंधी शिकायतें की जाती रही हैं। उनका दावा है कि कई जगह मानकों की अनदेखी की गई और घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ।

यूपी-बिहार बार्डर को जोड़ने वाले चखनी घाट पर अभी तक आवागमन के लिए लकड़ी का पुल का लोग सहारा लेते रहे हैं। कई बार लकड़ी का पुल होने के चलते हादसे भी हो जाते थे। इसको देखते हुए भाटपाररानी विधायक सभाकुंवर कुशवाहा के प्रयास से सरकार ने यहां पुल बनाने की मंजूरी दे दी। इस पुल के बनने के बाद यूपी-बिहार की यात्रा सुगम हो जाएगी और लोगों को आने-जाने में दिक्कत नहीं होगी। शासन ने इसके लिए कुल 16 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। पुल का निर्माण कार्य तेजी से शुरू हुआ लेकिन इन दिनों पुल के स्लैब टूटा हुआ नजर आने लगा है, जबकि एक पिलर में भी दिक्कत आने की बात कही जा रही है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते प्रशासन सख्त हो गया है। गुरुवार को डीएम मधुसूदन हुल्गी ने सेतु निगम के अधिशासी अभियंता को तलब किया और जानकारी ली। साथ ही कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वहीं लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर, जिला विकास अधिकारी समेत तीन अधिकारियों की कमेटी गठित की गई है, यह टीम दो दिनों के अंदर अपनी जांच कमेटी देगी। अगर गुणवत्ता में कमी मिली तो सख्त कार्रवाई की तैयारी है। डीएम मधुसूदन हुल्गी ने कहा कि पुल की गुणवत्ता में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मामले की जानकारी मिली है। सेतु निगम के अलावा एक अलग तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है। यह टीम जल्द ही अपनी रिपोर्ट दे देगी। अगर गुणवत्ता व पुल निर्माण में खामियां मिली तो अधिशासी अभियंता समेत अन्य के विरुद्ध कार्रवाई के लिए शासन को संस्तुति की जाएगी।

बता दें कि घटना 1 जून को उस समय हुई, जब पुल पर निर्माण कार्य चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक तेज आवाज हुई और पुल के ऊपरी हिस्से में दरारें दिखाई देने लगीं। देखते ही देखते स्लैब का हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। उस समय नीचे मजदूर काम कर रहे थे, लेकिन सभी समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंच गए। हादसे के बाद निर्माण कार्य तत्काल रोक दिया गया।

हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल गिरने की जांच कर रही आईआईटी बीएचयू

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। हमीरपुर में बेतवा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरने के बाद अब उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम की गठित टीम ने जांच तेज कर दी है। इस सम्बन्ध में टीम ने हादसे की जगह का मुआयना किया और वहां से इक्ठ्ठा की गयी निर्माण सामग्री की जांच के लिए आईआईटी बीएचयू को भेजा गया है। निगम के एमडी धर्मवीर सिंह ने कहा कि अभी प्रारम्भिक जांच में प्रथम दृष्टया दोषी पाये गये अधिकारियों पर कार्रवाई की गयी है और फर्म को ब्लैकलिस्ट किया गया है। जांच रिपोर्ट आने पर जहां पर कमी पायी जायेगी, उसके आधार पर कार्रवाई की जायेगी।

बता दें कि हमीरपुर में बेतवा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का स्लैब 29 मई की देर रात 2 बजे गिरने से 6 मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों में 4 बांदा और 2 हमीरपुर के रहने वाले थे।

निगम के एमडी धर्मवीर सिंह ने बताया कि आंधी-बारिश के कारण स्लैब गिरा और नीचे सो रहे मजदूर दब गए। हादसे के बाद सहायक अभियंता गजेंद्र कुमार चौधरी को निलंबित कर दिया गया है। डीपीएम दिलीप कुमार पर विभागीय कार्रवाई शुरू की जा रही है।

● जांच के आधार पर की जायेगी कार्रवाई

जानकारी के अनुसार, पुल पर दो शिफ्ट में काम होता है। जिस वक्त आंधी आयी, पहली शिफ्ट के लोग पुल के नीचे थे, जबकि दूसरी शिफ्ट के मजदूर पुल पर काम कर रहे थे। इसी बीच हादसा हो गया। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम पुल का निर्माण करवा रहा है। 700 मीटर लंबा दो लेन का ब्रिज मोराकांड से कुरारा गांव के बीच बनाया जा रहा है। इसका निर्माण मार्च 2024 में शुरू हुआ था। दिसंबर 2026 तक इसे पूरा किया जाना है। इसकी लागत 90 करोड़ रुपये है। सूत्रों के अनुसार सीएम की सख्ती के बाद सेतु निगम के एमडी धर्मवीर सिंह ने सहायक अभियंता को सस्पेंड किया। डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिये। साथ ही मामले में विभागीय जांच के लिए कमेटी गठित की है। प्रदेश में निगम की ओर से बनाये जाने वाले पुलों की थर्ड पार्टी ऑडिट आईआईटी बीएचयू से करायी जाती है। इस ब्रिज की भी थर्ड पार्टी ऑडिट आईआईटी बीएचयू ही कर रहा है।

अनुभवहीन ठेकेदारों से कराया जा रहा काम, हो हर पिलर की जांच : इशरत जहां

उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम इम्प्लाईज यूनियन के मुख्य संरक्षक इशरत जहां ने हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल के स्लैब गिरने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सेतु निगम में अनुभवहीन ठेकेदारों से काम कराया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमानुसार 30 प्रतिशत से अधिक कपलर नहीं लगना चाहिए जबकि प्रत्येक लिफ्ट में यही पद्धति अपनायी गयी है इसलिए यह पिलर तीन-चार जगह से टूटा है। सेतु निगम के 40 वर्ष तक कार्य करने वालों का कहना है कि हमीरपुर में पुल के हर पिलर का निर्माण इसी फार्मूले से किया गया है। जब यह सेतु चालू होगा तो भारी वाहन के ओवर लोडिंग और वाइब्रेशन होने से सारे पिलर इसी प्रकार से टूटेंगे, जिससे बड़ी दुर्घटनायें होने की पूर्ण संभावना होगी। वर्तमान सरकार की बदनामी होगी और राजकोष सरकार का धन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जायेगा। इससे अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त संस्था की प्रतिष्ठा और उप्र राज्य की छवि धूमिल हो रही है इसलिए जरूरी है कि इसके हर पिलर की जांच की जाये।

बहन हुई लापता भाई ने दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत बहन का अपहरण हो जाने पर भाई द्वारा तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के एक गाँव निवासी भाई ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि 18 मई सुबह मेरी बहन उम्र 20 वर्ष घर से कहीं चली गई है काफी खोजबीन के बाद पता चला की सिंटू पुत्र रामसूरत निवासी नेनुवा थाना बेवाना जिला अंबेडकर नगर बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। मेरी बहन व सिंटू का फोन स्विच ऑफ आ रहा। बहन के साथ किसी अनहोनी की आशंका में भाई ने पुलिस की शरण ली जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है।

गौशालाओं का नोडल अधिकारी ने किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। नवाबगंज विकास खण्ड की जैतीपुर, अमरेथा, टिकवामऊ और कटेहरू गौशालाओं का नोडल अधिकारी सुरजीत सिंह द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गौशालाओं में व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया गया तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय गौवंशों को स्नान कराने, हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने और टीकाकरण व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने गौशालाओं में साफ-सफाई और पशुओं के रखरखाव का भी गहन अवलोकन किया। जैतीपुर एवं कटेहरू गौशालाओं में गर्मी से बचाव के लिए अतिरिक्त व्यवस्थाएं करने को कहा गया। वहीं कई स्थानों पर सूचना बोर्ड न लगे होने पर तत्काल बोर्ड स्थापित कराने के निर्देश दिए गए। जैतीपुर गौशाला में सबमर्सिबल पंप खराब पाए जाने पर उसे शीघ्र ठीक कराने के निर्देश भी दिए गए, जिससे पशुओं को पानी की समस्या न हो। इस अवसर पर पशु चिकित्सा अधिकारी नवाबगंज डॉ. राजेश कुमार मौर्य, ग्राम प्रधान भोला राजपूत, ग्राम प्रतिनिधि संकेत रावत, ग्राम पंचायत अधिकारी सुब्रत कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी ने स्वयं पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

जनपद प्रभारी ने जन प्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ की बैठक

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उत्तर प्रदेश सरकार की माध्यमिक उच्च शिक्षा राज्य मंत्री और जनपद की प्रभारी मंत्री रजनी तिवारी गुरुवार को उन्नाव पहुंचीं। उन्होंने विकास भवन सभागार में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा हुई। बैठक में पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने, पर्यावरण दिवस और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों को सफल बनाने तथा विकास कार्यों को गति देने पर विशेष जोर दिया गया। प्रभारी मंत्री के आगमन पर उन्नाव बाईपास पर भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के संयोजन में उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर विमल द्विवेदी, अमित मिश्रा, अनुज पांडे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं, ओवरब्रिज के नीचे नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता मिश्रा और पूर्व युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा भानू के नेतृत्व में भी स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। विकास भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह, सदर विधायक पंकज गुप्ता, सफीपुर विधायक बंबा लाल दिवाकर, पुरवा विधायक अनिल सिंह, भगवंतनगर विधायक आशुतोष शुक्ला, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद अवस्थी, जिलाधिकारी घनश्याम मीणा, पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह और मुख्य विकास अधिकारी कृति राज समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में प्रभारी मंत्री ने बताया कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के बीच विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि जनहितकारी और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। इसके लिए गांव-गांव और शहर-शहर अभियान चलाकर लाभार्थियों तक योजनाओं की जानकारी और लाभ पहुंचाया जाएगा। रजनी तिवारी ने यह भी कहा कि केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं संचालित की हैं। सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति किसी योजना से वंचित न रह जाए। इसी उद्देश्य से 5 जून से 21 जून तक विशेष जनसंपर्क और जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। उन्होंने जानकारी दी कि पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूरे प्रदेश में पांच करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पौधरोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा चौपालों, स्वास्थ्य शिविरों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। योग दिवस को भव्य रूप से मनाने की तैयारियों की भी समीक्षा बैठक में की गई। कानून-व्यवस्था और हाल की चर्चित घटनाओं को लेकर पूछे गए सवालों पर मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था आज देश के लिए एक मॉडल के रूप में स्थापित हुई है और सरकार लगातार इसे और बेहतर बनाने का प्रयास कर रही है। मंत्री ने कहा कि यदि कहीं किसी मामले में और बेहतर कार्रवाई की आवश्यकता होगी तो सरकार और प्रशासन उसे गंभीरता से लेकर आवश्यक कदम उठाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

दर्जनों आवारा कुत्तों को अज्ञात युवक ने दिया जहरीला पदार्थ , कई की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में बुधवार की रात किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा गांव के एक दर्जन आवारा कुत्तों को जहरीला पदार्थ खिला दिया गया जिससे उनकी हालत बिगड़ने लगी तडपते बेजुबान जानवरों को हालत देख प्रधान प्रतिनिधि ने पशु चिकित्सा अधिकारी को सूचना दी तब तक आधा दर्जन से अधिक कुत्तों ने दम तोड़ दिया वही ग्रामीण बलराम ने मामले की जानकारी पीआरवी पुलिस को दी वह मौके पर पहुंचे और थोडी देर बाद वापस लौट गए। थाना क्षेत्र के गांव कनिगांव में बुधवार की रात किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा कुत्तों को रोटी के साथ जहरीला पदार्थ खिला दिया गया रोटी खाने के थोड़ी देर बाद कुत्तों की हालत बिगड़ने लगी और वह चीखते हुए तडपने लगे ग्रामीणों ने मामले की जानकारी प्रधान प्रतिनिधि वेद चौरसिया को दी जिस पर उन्होंने मियागंज पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज सिंह को मामले की सूचना दी डाक्टर टीम के साथ मौके पर पहुंचे तब तक आठ कुत्तों की मौत हो चुकी थी डाक्टर मनोज सिंह ने एक कुत्ते का इलाज किया लेकिन उसने भी दम तोड़ दिया डाक्टर का कहना है कि प्वाइजन खिलाया गया है क्योंकि मुह से खून निकल रहा था प्वाइजन की तीव्रता का पता सैंपल जांच के बाद ही चलेगा अगर ग्रामीण प्रयास करेंगे तो पीएम कराया जायेगा।

मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की मौत, दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत करीब एक माह पूर्व हुई सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत हो जाने पर दिवंगत के भाई द्वारा तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना बिहार के सुमेरपुर -पाटन के मध्य चिकन्द्रपुर गाँव के समीप तीस अप्रैल शुबह मांगलिक कार्यक्रम में वीडियोग्राफी का काम करने वाले 20 वर्षीय शुभम पुत्र उमाशंकर निवासी बड़ा भगत खेड़ा थाना खीरो जनपद रायबरेली का किराए पर लिए लोडर के पलट जाने से गंभीर चोटे आ गयी थी। परिजनों द्वारा घायल शुभम का लखनऊ में ईलाज कराया गया परन्तु 2 मई को उसकी मौत हो गयी। दिवंगत के भाई शिवम ने लोडर चालक पर अनियंत्रित व तेज गति से चलाने का आरोप लगाया । थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गरेरे पुरवा गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। आरोप है कि आधा दर्जन लोगों ने एक घर में घुसकर सास-बहू समेत पांच लोगों की पिटाई कर दी, जिससे वे घायल हो गए। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गरेरे पुरवा निवासी माधुरी का अपने पड़ोसियों से लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पीड़िता माधुरी ने आरोप लगाया है कि पड़ोस के करीब छह लोग एकजुट होकर उनके घर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। माधुरी के मुताबिक, आरोपियों ने सबसे पहले उनके साथ मारपीट की। जब उनकी सास बचाने आईं, तो उन्हें भी नहीं बख्शा गया। लाठी-डंडों और अन्य वस्तुओं से की गई मारपीट में सास और बहू दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनके सिर में चोट लगने से खून बहने लगा। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य बीच-बचाव के लिए पहुंचे। आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की, जिससे तीन अन्य लोग भी घायल हो गए। इस तरह कुल पांच लोग घायल हुए। घटना के दौरान किसी ग्रामीण ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और मारपीट होती दिखाई दे रही है। हालांकि, पुलिस जांच के बाद ही वीडियो की सत्यता और परिस्थितियों की पुष्टि हो सकेगी। घटना की सूचना मिलते ही गंगाघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा और पीड़ित पक्ष की तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि वायरल वीडियो को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है और सभी तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

घंटों मसक्कत के बाद प्रशासन की निगरानी में हुआ मां बेटे का अंतिम संस्कार

बड़े पुत्र शिवा ने दोनों मृतकों को दी मुखाग्नि

अमन लेखनी समाचार

जाफरगंज, फतेहपुर। जनपद के जाफरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव धौरहरा में विगत दिवस आपसी लड़ाई झगड़े को लेकर एक महिला ने स्वयं तथा अपने दो बच्चों को जहर खिला दिया जिससे हालत बिगड़ने पर परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया वहीं बड़े बेटे 4 वर्षीय छोटू की मौत हो गई छोटा बेटा 1 वर्षीय सौरभ तथा स्वयं महिला 30 वर्षीय राजरानी पत्नी रज्जन की हालत गंभीर रही वही उपचार के दौरान महिला की भी मौत हैलट अस्पताल में हो गई यह जानकारी जैसे ही मायके पक्ष को मिली तो मायके पक्ष ने ससुराली जनों पर आरोप लगाना प्रारंभ कर दिया विश्वस्त सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार महिला की मौत कानपुर हैलट अस्पताल में हुई वही छोटा बेटा सौरभ अभी भी जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहा है महिला की मौत के बाद परिजन शव लेकर गांव पहुंचे वहीं मायके पक्ष ने जमकर हंगामा काटा कल गुरुवार को सुबह पहर अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी तभी मृतका की मां रामरती ने दामाद रज्जन के ऊपर नशाखोरी तथा मारपीट का आरोप लगाया वहीं मायके तथा ससुराली जनों के बीच झगड़ा प्रारंभ हो गया मौके पर मौजूद प्रशासन ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों पक्षों को सांत्वना देते हुए अंतिम संस्कार कराया मायके पक्ष गांव मंसूरपुर के ग्राम प्रधान अरविंद दुबे स्थानीय थाना प्रभारी प्रमोद शुक्ला की मौजूदगी में मृतका के बड़े बेटे शिवा ने अपनी मां तथा छोटे भाई को मुखाग्नि देते हुए अंतिम संस्कार किया

अधेड़ का फांसी के फंदे पर लटकता मिला शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र के ग्राम जगजीवनपुर में बीती रात एक अधेड़ का शव घर के अंदर कमरे में दुपट्टे के सहारे झूलता पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बुधवार देर रात जगजीवन पुर निवासी 55 वर्षीय भारत विमल का शव घर के कमरे में दुपट्टे के सहारे झूलता मिला। पिता का शव लटकता देख बेटा अंकित जोर जोर से चीखने लगा। शोर सुनकर आस पास मोहल्ले के लोग इकठ्ठे हो गए। ग्राम प्रधान मनीष मिश्र की सूचना पर बदरका चौकी इंचार्ज अनिल त्रिपाठी पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और छानबीन कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि मृतक भारत के एक बेटा व एक अविवाहित बेटी है पत्नी की पांच वर्ष पहले मौत ही चुकी है। नशे का आदी होने से आए दिन घर में कलह बनी रहती थी। बीती रात नशे की हालत में घर आने पर परिवार के लोगों के बीच वाद विवाद होना बताया जाता है। जिसके बाद मृतक घर के अंदर चला गया। काफी देर तक जब वह बाहर नहीं निकला तो उसके पुत्र अंकित ने अंदर जाकर देखा। तो वहां उसका मृत शरीर फंदे पर झूलता मिला। एस ओ सुब्रत त्रिपाठी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

गर्म हवा व तेज धूप से लोगों को हुई परेशानी

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। इस वर्ष नौतपा के दौरान मौसम का मिजाज सामान्य वर्षों से अलग रहा। नौतपा के अधिकांश दिनों में तेज हवाएं, बादल और कहीं-कहीं बारिश का प्रभाव देखने को मिला, जिसके कारण भीषण गर्मी से लोगों को काफी राहत मिली। सामान्यतः नौतपा के समय सूर्य की तीखी किरणों के कारण तापमान अपने उच्च स्तर पर पहुंच जाता है, लेकिन इस बार मौसम अपेक्षाकृत ठंडा और सामान्य बना रहा। हालांकि 3 जून से मौसम ने अचानक करवट ले ली है। आसमान साफ होने और धूप तेज होने के कारण तापमान में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई। दोपहर के समय गर्म हवाओं और तेज धूप ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। बाजारों और सड़कों पर दोपहर के समय आवाजाही कम दिखाई देने लगी है तथा लोग गर्मी से बचाव के लिए छाया और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा ले रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार नौतपा के दौरान सक्रिय रहे पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसमी गतिविधियों के कमजोर पड़ने के बाद अब तापमान में लगातार बढ़ोतरी की संभावना है। आने वाले दिनों में गर्मी और अधिक तीखी हो सकती है तथा लू चलने की स्थिति भी बन सकती है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी है कि वे खरीफ फसलों की तैयारी के दौरान पर्याप्त पानी की व्यवस्था रखें तथा खेतों में कार्य सुबह और शाम के समय ही करें। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अधिक गर्मी के समय घर से बाहर निकलने से बचने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की अपील की है।

दबंग ठेकेदार से आहत जिला पंचायत पति ने नजदीकी थाने में दी तहरीर

सोशल मीडिया में ऑडियो हुआ वायरल प्रशासन ने जांच की प्रारंभ

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली जिला पंचायत पति बृजेश पटेल उर्फ गब्बर ने नजदीकी थाना चांदपुर में लिखित तहरीर देते हुए अपनी जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई समाजसेवी बृजेश पटेल ने थाना चांदपुर में लिखित तहरीर देते हुए बताया कि अमौली कस्बे अंतर्गत एक मकान में जल निगम का ठेकेदार बताने वाले प्रांजल पाण्डेय उर्फ हैप्पी पाण्डेय पुत्र अरुण पाण्डेय उर्फ राजू पाण्डेय निवासी बसंत विहार नौबस्ता कानपुर किराए का कमरा लेकर रहता था मकान मालिक को लगभग 10 महीने का किराया नहीं दिया तथा बिजली चोरी स्वयं कर मकान मालिक के ऊपर मुकदमा लगवा दिया जिससे मकान मालिक पीड़ित हो गया तथा अपना दुख दर्द जिला पंचायत पति बृजेश पटेल से बयां किया इसी मुद्दे को लेकर बृजेश पटेल ने ठेकेदार प्रांजल पाण्डेय से जानकारी लेनी चाहिए जहां प्रांजल पाण्डेय ने बृजेश पटेल को जमकर गाली गलौज किया तथा जान से मार देने की धमकी दी यह ऑडियो सोशल मीडिया में भी जमकर वायरल हुआ जबकि अमन लेखनी हिंदी दैनिक समाचार पत्र ऑडियो की पुष्टि नहीं करता जिला पंचायत पति बृजेश पटेल ने तहरीर देते हुए थाना प्रभारी से न्याय की गुहार लगाई तथा कहा कि यदि ऐसे दबंग व्यक्ति पर त्वरित कार्यवाही स्थानीय प्रशासन द्वारा नहीं की जाती तो पुलिस अधीक्षक महोदय से शिकायत करते हुए वह मुख्य मार्ग पर धरना प्रदर्शन के लिए आमादा हो जाएंगे स्थानीय थाना प्रशासन ने तहरीर स्वीकृत करते हुए जांच प्रारंभ कर दी है

सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा भव्य कलश यात्रा के साथ हुई प्रारंभ

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर, जनपद के बिंदकी तहसील कस्बे के पैगंबरपुर मोहल्ले स्थित अन्नपूर्णा राइस मिल प्रांगण में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का साप्ताहिक अनुष्ठान प्रारंभ हुआ प्रथम दिवस भव्य कलश यात्रा निकाली गई जहां कानपुर महानगर से पधारे आचार्य पंडित अशोक पाण्डेय ने वेद मंत्रों के साथ कलश यात्रा प्रारंभ कराई श्रीमद् भागवत कथा के प्रमुख यजमान सावित्री गुप्ता समेत सभी लोगों ने पूजन करते हुए कलश यात्रा प्रारंभ की भव्य कलश यात्रा नगर भ्रमण करते हुए पुनः अन्नपूर्णा राइस मिल पहुंची वहीं मंच पर

विराजमान कथा व्यास ने प्रथम दिवस की भागवत भक्तों को श्रवण कराई कथा विराम होने पर प्रमुख यजमान समेत अन्य अजमान गौरव गुप्ता अंजली गुप्ता आदि सभी भक्तों ने महा आरती संपन्न की परीक्षित समुदाय द्वारा मिली जानकारी के अनुसार यह कार्यक्रम अनवरत आगामी 11 जून तक चलेगा वहीं 12 जून को विशाल महा भंडारा आयोजित किया जाएगा विशाल कलश यात्रा में नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष मुन्नालाल सोनकर राजेश द्विवेदी शिवांश दिव्यांश रामशंकर सुनील कुमार नरेश इत्यादि भारी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे

जिला जज पहुंचे माता रानी के दरबार, लिया आशीर्वाद

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील बीघापुर के बक्सर स्थित सुप्रसिद्ध चंडिका देवी मंदिर में गुरुवार को जिला जज अनिल कुमार वर्मा ने परिवार सहित पहुँच माँ देवी का आशीर्वाद लिया। इस दौरान सुमेरपुर तिराहा स्थित ग्राम न्यायालय में भी वकीलों से मिल उनकी समस्याएं जानी। ग्राम न्यायालय में वकील अरविंद सिंह ने भवन में जनरेटर समस्या उठाई जबकि वकील अमरनाथ बाजपेयी ने शुद्ध पेयजल की समस्या बताई। प्रदीप वकील ने सिविल में ऑनलाइन सम्मन भेजने की प्रकिया की समस्या बताई। वकील कृष्ण पाल सिंह ने कुर्सी, बेच आदि की समस्या बतायी। ग्राम न्यायालय के परिसर में मौजूद वकीलों द्वारा जिला जज व ग्राम न्यायालय के जज कनिस्क राठौर को अंगवस्त्र पहना माल्यार्पण किया गया। इसके उपरांत जिला जज परिवार सहित बक्सर स्थित माँ चंडिका धाम पहुँचे जहा उन्होंने माता चंडिका व माता अम्बिका का विधिवत पूजन अर्चन किया। ग्राम न्यायालय में आकाश प्रताप सिंह, महेंद्र गुप्ता शशांक सिंह, शेर बहादुर सिंह, प्रदीप मिश्रा, विजय योगेश बहादुर, सुरेश पटेल सहित अन्य वकील उपस्थित रहे।

एक बाइक पर छह सवारियों का खतरनाक सफर, वीडियो वायरल

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव। बारासगवर थाना क्षेत्र की ऊंचगांव चौकी अंतर्गत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने सड़क सुरक्षा व्यवस्था और यातायात नियमों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वायरल वीडियो में एक बाइक पर छह लोगों को सवार देखा जा सकता है, जिनमें छोटे बच्चे और एक बुजुर्ग महिला भी शामिल हैं। वीडियो में दिखाई दे रही महिला को सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर दिव्या यादव बताया जा रहा है। वीडियो में महिला ऊंचगांव से बक्सर गंगा स्नान जाने की बात कहती नजर आ रही है। साथ ही बाइक को ह्लहवाई जहाजह्व बनाने जैसी टिप्पणी भी सुनाई दे रही है। यदि वीडियो में कही जा रही बातें सही हैं, तो यह सड़क सुरक्षा नियमों की खुली अनदेखी का मामला माना जा सकता है। गौरतलब है कि बिहार-बक्सर मार्ग अत्यंत व्यस्त सड़क मार्गों में शामिल है, जहां प्रतिदिन भारी संख्या में डंपर, ट्रक और अन्य वाहन गुजरते हैं। इस मार्ग पर पूर्व में भी कई सड़क हादसे हो चुके हैं। ऐसे में बिना हेलमेट एक बाइक पर छह लोगों का सफर लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा रहा है। वायरल वीडियो को लेकर जब थाना प्रभारी धर्मेन्द्र नाथ मिश्र से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी नहीं थी। वीडियो की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पाटन धानी खेड़ा मार्ग पर बुधवार देर शाम हुए सड़क दुघर्टना में बाइक सवार युवक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। थाना क्षेत्र के तलिहई निवासी ज्ञानेन्द्र कुमार पुत्र रामरूप 45वर्ष थाना बारा सगवर किसी मामले में गए हुए थे। धानीखेड़ा बाजार करने के बाद जब वह वापस घर लौट रहे थे तभी दलपत खेड़ा गांव के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरादर टक्कर मार दी जिससे वह घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। सर पर हेलमेट न होने व सर से अधिक खून बह जाने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दिवंगत चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। वर्तमान में दिल्ली में रहकर अपने परिवार के जीविकोपार्जन के लिए मजदूरी किया करता था। दिवंगत का एकमात्र पुत्र साहिल व पुत्री कंचन सहित पत्नी राजकुमारी बेशुध हुए जा रही है। राजकुमारी रो रो कह रही अब परिवार कैसे चलेगा। हम बेसहारा हो गए।

फरार्टा पंखे में उतरे करंट की चपेट से अधेड़ की मौत

अमन लेखनी समाचार

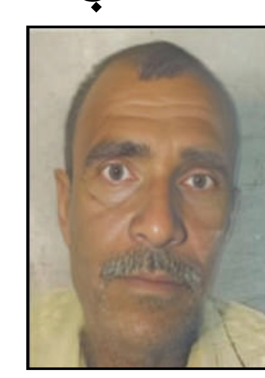

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली के गांव कोदइया खेड़ा में सोमवार सुबह घर के अंदर बरामदे में लगे फरार्टा पंखे को हटाते समय करंट लगने से 55वर्षीय बुर्जुग हरिपाल की मौत हो गई। सीएचसी सेज्ञमिले मेमो के आधार पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेजा है गांव निवासी हरिपाल (55) पुत्र सिद्धनाथ खेती का काम करते है। बृहस्पतिवार की सुबह करीब 5बजे घर के अंदर बरामदे में लगा फरार्टा पंखे को हटाते समय हरिपाल को करंट लगने से जमीन पर पंखा सहित गिर पडे। पत्नी सुनीता के चिल्लाने पर परिजन परिजन उन्हें तत्काल सीएचसी पुरवा ले गए, जहां चिकित्सक ने हरिपाल मृत घोषित कर दिया। सीएचसी से मिले मेमो के आधार कोतवाली के उपनिरीक्षक रामेश्वर सिंह सीएचसी पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। मृतक अपने पीछे पत्नी सुनीता, पुत्री का विवाह हो गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कोतवाली प्रभारी भवन सिंह मौर्य ने बताया कि सूचना पर शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है।

ईट भट्टे पर काम कर रही महिला को जहरीले कीड़े ने काटा, हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। थाना बेहटामुजावर क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में ईट भठ्ठे पर रात में सो रही युवती को जहरीले कीड़े के काटने से उपचार के लिए ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। थाना बेहटा मुजावर क्षेत्र के गांव तकिया निगोही स्थिति अपना ब्रिक फील्ड ईट भठ्ठे पर शाहाबाद निवासी आसमां पत्नी नईम जिला हरदोई का रहने वाला जो अपने परिवार के साथ मेहनत मजदूरी करके जीवन यापन करता था जो भठ्ठे पर रात में पत्नी को जहरीले कीड़े काट लिया जिससे हालत बिगड़ती देख तुरंत ही एच सी सफीपुर ले गये जहां चिकित्सकों ने हालत नाजुक देख जिला अस्पताल रिफर कर दिया जहां से कानपुर लिये जा रहे थे की आसमां की मौत हो गई परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई।

सम्पादकीय

अनियोजित निर्माण दे रहे हादसों को न्योता

शहरों में अनियोजित निर्माण लगातार बड़े हादसों को न्योता दे रहे हैं। इसके कारण राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित देश के कई बड़े शहरों में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। बुधवार को ही दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश स्टे होटल में लगी आग ने एक बार फिर शहरी विकास मॉडल की भयावह सच्चाई सामने ला दी है। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 17 विदेशी नागरिक शामिल थे। इससे दो दिन पहले भी एक इमारत गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई थी। आंकड़ों को देखें तो दिल्ली में पिछले 6 महीनों में ऐसी घटनाओं में 70 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। मालवीय नगर में यह केवल आगजनी की घटना नहीं, बल्कि उन खामियों का दर्दनाक परिणाम है जो वर्षों से हमारी प्रशासनिक व्यवस्था, भवन निर्माण प्रणाली और सुरक्षा तंत्र में मौजूद हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस होटल में यह हादसा हुआ, उसके पास फायर एनओसी तक नहीं थी। सवाल यह है कि बिना आवश्यक सुरक्षा प्रमाणपत्र के होटल आखिर चल कैसे रहा था? देश के बड़े शहरों में अनियोजित निर्माण अब अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य प्रवृत्ति बन चुके हैं। ऐसे हादसे दिल्ली के अलावा मुंबई, हरियाणा, नागपुर और आंध्रप्रदेश में भी हो चुक हैं। जैसे आबादी बढ़ रही है, जमीन सीमित है और मुनाफे की होड़ में नियमों को कागजों तक सीमित कर दिया गया है। नतीजा यह है कि बहुमंजिला इमारतें तो खड़ी हो रही हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था धराशायी होती जा रही है। कहीं आपातकालीन निकास नहीं हैं, कहीं अग्निशामक यंत्र निष्क्रिय पड़े हैं, तो कहीं पानी की पर्याप्त व्यवस्था तक नहीं है। जब तक सब कुछ सामान्य रहता है, ये खामियां दिखाई नहीं देतीं, लेकिन जैसे ही कोई दुर्घटना होती है, इनकी कीमत इंसानी जानों से चुकानी पड़ती है। विडंबना यह है कि जिन भवनों को सुरक्षा मानकों का पालन करना चाहिए, वे स्वयं जोखिम के केंद्र बने हुए हैं। आग लगने की घटनाओं में एक और बड़ी समस्या दमकल विभाग की सीमित क्षमता है। आज शहरों में 10, 15 और 20 मंजिल तक की इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन कई स्थानों पर फायर ब्रिगेड के पास सिर्फ 4 से 5 मंजिल से अधिक ऊंचाई तक पहुंचने वाले आधुनिक हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म और स्काईलिफ्ट तक उपलब्ध नहीं हैं। जब आग बहुमंजिला इमारतों में फैलती है, तब बचाव कार्य समय के खिलाफ लड़ाई बन जाता है। संकरी गलियां, अव्यवस्थित पार्किंग और अवैध निर्माण इस लड़ाई को और कठिन बना देते हैं। दमकल की गाड़ियां मौके तक समय पर नहीं पहुंच पातीं और तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। यह समस्या केवल सरकारी तंत्र तक सीमित नहीं है। आम नागरिकों और भवन मालिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। अक्सर लोग अतिरिक्त कमरे बनाने, अधिक किराया कमाने या ज्यादा जगह घेरने के लिए सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर देते हैं। आपातकालीन निकास बंद कर दिए जाते हैं, सीढ़ियों पर सामान रख दिया जाता है और बिजली की असुरक्षित वायरिंग को नजरअंदाज किया जाता है। दुर्घटना होने तक किसी को खतरे का एहसास नहीं होता। ऐसे में लोगों को खुद भी जागरूक होना चाहिए, क्योंकि कोई भी आपदा बताकर नहीं आती। यानी बचाव के उपाय पहले से ही किए जाएं तो ऐसी गंभीर आपदाओं से बचा जा सकेगा। इसलिए जवाबदेही तय करनी ही होगी। तभी हम ऐसी विपदाओं से पार पा सकेंगे।

आर्थिकी
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

मानसून और कच्चे तेल की चुनौतियां

आम आदमी और किसान से लेकर संपूर्ण अर्थव्यवस्था के सामने कमजोर मानसून से सूखे की आशंका और महंगे कच्चे तेल से महंगाई संबंधी आर्थिक चुनौतियां चिंता का कारण बन गई हैं। 2 जून को संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने रिपोर्ट जारी करते हुए बताया है कि इस वर्ष अल नीनो के कारण भारत में मानसून के अत्यधिक कमजोर होने और भीषण सूखे की आशंका है। इससे देश में सामान्य से कम बारिश का खतरा बढ़ गया है। कम बारिश और सूखे के कारण खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित हो सकती है, जिससे खाद्यान्न उत्पादन और महंगाई पर सीधा असर पड़ने की आशंका है। इससे आमजन को जूझना पड़ेगा।

इन दिनों देश के आम आदमी और किसान से लेकर संपूर्ण अर्थव्यवस्था के सामने कमजोर मानसून से सूखे की आशंका और महंगे कच्चे तेल से महंगाई संबंधी आर्थिक चुनौतियां चिंता का कारण बन गई हैं। हाल ही में 2 जून संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने रिपोर्ट जारी करते हुए बताया है कि इस वर्ष अल नीनो के कारण भारत में मानसून के अत्यधिक कमजोर होने और भीषण सूखे की आशंका है। इससे देश में सामान्य से कम बारिश का खतरा बढ़ गया है और इससे देश के कई हिस्सों में लू और भीषण गर्मी की स्थिति पैदा हो सकती है। कम बारिश और सूखे के कारण खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित हो सकती है, जिससे खाद्यान्न उत्पादन और महंगाई पर सीधा असर पड़ने की आशंका है। इसी तरह एक जून को हाल ही में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आयएमडी) ने देश की धड़कन माने जाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

मौसम विभाग ने साल 2026 के मानसून के अपने पुराने अनुमान को और घटा दिया है। पहले जहां आयएमडी ने लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलआरए) की 92 फीसदी बारिश होने का अनुमान लगाया था, वहीं अब इसे घटाकर 90 फीसदी कर दिया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि देश में इस साल 'सामान्य से कम' बारिश होने की पूरी आशंका है। अगर मौसम विभाग का यह ताजा अनुमान सच साबित होता है, तो भारत पिछले एक दशक के सबसे सूखे मानसून का सामना करेगा। इससे पहले साल 2015 में भारत में इतनी कम बारिश रिकॉर्ड की गई थी, जब मानसून सामान्य से लगभग 13 फीसदी कम था। चूंकि मानसून के दौरान अल-नीनो की स्थिति मजबूत होने की वजह से बारिश कम होगी। अब अल-नीनो के खतरे और कमजोर मानसून की आशंका से जलाशय के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। वास्तव में देश के किसानों और कृषि क्षेत्र की चिंताएं बढ़ाने वाला यह परिदृश्य देश के वर्तमान सुकूनदायक कृषि क्षेत्र के समक्ष एक चुनौती बनकर दिखाई दे रहा है।

उल्लेखनीय है कि कमजोर मानसून व सूखे की आशंका के साथ एक बार फिर इसी माह जून की शुरुआत से अमेरिका-ईरान के बीच पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें और बढ़ने की आशंका बनी हुई है। पिछले माह मई 2026 में चार बार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक सरकारी क्षेत्र की तीनों तेल कंपनियों इंडियन आयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम को संयुक्त तौर पर प्रतिदिन करीब 750 हजार करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है और पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने की आशंका बनी हुई है। साथ ही भारत में महंगाई बढ़ रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में अप्रैल 2026 में थोक महंगाई बढ़कर 8.3 प्रतिशत और खुदरा महंगाई बढ़कर 3.48 प्रतिशत हो गई है। प्रमुख कंसल्टेसी फर्म ईवाई इंडिया की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशियाई संकट के कारण भारत में वित्त वर्ष 2026-27 में महंगाई दर 6 प्रतिशत के ऊपरी स्तर को छू सकती है। एशियाई विकास बैंक के द्वारा

प्रस्तुत रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष 2026-27 में भारत में महंगाई 6.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच सकती है। यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि पेट्रोल और डीजल के महंगे होने का सबसे बड़ा असर आम लोगों की जेब पर पड़ने लगा है। निजी वाहन चलाने वालों का खर्च बढ़ गया है। डीजल महंगा होने से ट्रक, बस और माल ढुलाई का खर्च भी बढ़ गया है। इसका असर सब्जियों, फल, दूध और रोजमर्रा के सामानों की कीमतों पर दिखाई देने लगा है। ऐसे में एक ओर कमजोर मानसून और सूखे से निर्मित होने वाली चिंताओं पर ध्यान देना होगा, वहीं दूसरी ओर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और महंगाई की चिंताओं पर भी ध्यान देना होगा। ऐसे में अल-नीनो के बढ़ते असर को देखते हुए केंद्र सरकार रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ी है। किसानों को इस बड़े मौसमी संकट से बचाने के लिए सरकार ने 1 जून 2026 से देशव्यापी "खेत बचाओ" अभियान के तहत रणनीतिपूर्वक कदम आगे बढ़ाए हैं। इसके तहत किसानों को उनके इलाके और फसल के हिसाब से खास सलाह (क्रॉप-स्पेसिफिक एडवाइजरी) दी जाएगी, ताकि वे मौसम के जोखिमों को समझकर सही फैसला ले सकें। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सिर्फ जानकारी बांटना नहीं है, बल्कि जमीन पर जाकर किसानों को यह बताना है कि उन्हें कम बारिश या सूखे के खतरे वाले इलाकों में कौन सी फसल बोनी चाहिए, किस फसल की तरफ बदलाव करना चाहिए और उनके पास पारंपरिक खेती के क्या बेहतर विकल्प मौजूद हैं। किसानों को उनके इलाके के मौसम, वहां की मिट्टी और बाजार की मांग के हिसाब से व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया जाएगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस कमजोर मानसून और सूखे की आशंका के बड़े संकट से निपटने के लिए सरकार ने एक व्यापक और सहयोगी ढांचा तैयार किया है। इस अभियान में स्थानीय पंचायतों, राज्य सरकारों, कृषि विज्ञान केंद्रों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों और स्थानीय कृषि विभागों को एक साथ जोड़ा गया है। देश के कोने-कोने तक अपनी पहुंच मजबूत करने के लिए 1,600 से ज्यादा विशेष टीमें बनाई गई हैं। इनमें से 500 टीमें विशेष रूप से देश के उन 100 जिलों में तैनात की जाएंगी, जहां रासायनिक खादों की खपत सबसे ज्यादा है। चूंकि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही है, अतएव सरकार के नीतिगत हस्तक्षेप की गुंजाइश सीमित है, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए सरकार के साथ-साथ उद्योग-कारोबार और हर वर्ग के सभी लोगों के द्वारा हरसंभव तरीके से महंगाई का मुकाबला करने के लिए आगे बढ़ना होगा। देश के नागरिकों के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा की गई उस अपील पर अमल किया जाना होगा, जिसमें उन्होंने पेट्रोल-डीजल का किफायत से उपयोग करने की जरूरत बताई है। सरकार के द्वारा पेट्रोल में इथेनाल का मिश्रण 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत किया जाना होगा। तेल की मांग में कमी करने हेतु इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के उपयोग में तेजी लाई जानी होगी। उम्मीद करें कि सरकार संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के द्वारा इस वर्ष 2026 के लिए प्रस्तुत किए गए मौसम अनुमानों के मद्देनजर कमजोर मानसून, अलनीनो और कृषि की बढ़ी हुई लागत संबंधी चुनौतियों से सफलतापूर्वक मुकाबले के लिए बहुआयामी उपायों के साथ आगे बढ़ेगी। साथ ही सरकार कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भारत में बढ़ती महंगाई से आम आदमी के लिए तात्कालिक राहत और भविष्य में नवीकरणीय ऊर्जा को पेट्रोल-डीजल का विकल्प बनाने जैसे दीर्घकालीन उपायों के साथ रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। इससे देश के आम आदमी और किसानों सहित संपूर्ण अर्थव्यवस्था लाभांवित होगी।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सियासत
महेन्द्र तिवारी

क्या नए राजनीतिक युग की शुरुआत करेंगे अन्नामलाई

तमिलनाडु की राजनीतिक भूमि हमेशा से भारतीय राजनीति के मानचित्र पर एक विशिष्ट और पृथक पहचान बनाए हुए है। देश के अन्य राज्यों के विपरीत यहां राष्ट्रीय विचारधारा वाले दलों की तुलना में क्षेत्रीय अस्मिता और क्षेत्रीय संगठनों का प्रभाव कहीं अधिक गहरा रहा है। बीते अनेक दशकों से द्रविड़ आंदोलन की कोख से निकली राजनीति ने ही इस राज्य की सत्ता की दिशा और दशा को पूरी तरह नियंत्रित और संचालित किया है। इस समय तमिलनाडु के राजनीतिक आकाश में जिस एक नाम को लेकर सबसे अधिक चर्चाएं और कयास लगाए जा रहे हैं, वे हैं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई। पिछले कुछ समय से राज्य के समाचारों और राजनीतिक चर्चाओं में इस बात ने अत्यधिक जोर पकड़ लिया है कि वे अपने वर्तमान दल से नाता तोड़कर एक नए क्षेत्रीय राजनीतिक दल का गठन कर सकते हैं। यद्यपि उन्होंने अभी तक इस विषय में कोई आधिकारिक या स्पष्ट घोषणा नहीं की है, परंतु उनके हालिया वक्तव्य, उनके समर्थकों द्वारा लगाए गए विज्ञापन पत्र, महत्वपूर्ण बैठकों से उनकी दूरी और जमीनी स्तर पर चल रही संगठनात्मक गतिविधियों ने राज्य की राजनीति को एक नए विमर्श की ओर मोड़ दिया है। इस नए राजनीतिक घटनाक्रम की सुगबुगाहट तब और अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी जब कोयंबटूर शहर में अचानक कई प्रमुख स्थानों पर उनके समर्थकों द्वारा बड़े-बड़े विज्ञापन पत्र लगाए गए। सामान्य राजनीतिक विज्ञापनों से सर्वथा भिन्न इन पत्रों पर अंकित संदेश ने सभी का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें लिखा था कि निडर सोच की कोई सीमा नहीं होती। इस वाक्य को राजनीतिक विश्लेषकों और जनता द्वारा एक बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा गया। इसके तुरंत बाद जनसंचार के आधुनिक माध्यमों और मुख्यधारा की राजनीति में यह बात तेजी से फैल गई कि वे किसी नए और स्वतंत्र राजनीतिक मंच की आधारशिला रखने की तैयारी कर रहे हैं। उनके इस संभावित कदम को तब और बल मिला जब उनके प्रशंसकों और समर्थकों के संगठन, जिसका नाम अन्नामलाई अन्बू कूट्टम है, उसने अचानक अपनी गतिविधियों को तेज करते हुए नए सदस्यों और पदाधिकारियों को जोड़ना आरंभ कर दिया। इसके साथ ही भीतरखाने से यह समाचार भी आ रहे हैं कि मक्कल शक्ति इयक्कम नाम से एक विशाल जनआंदोलन या सामाजिक संगठन की रूपरेखा तैयार की जा रही है, जो आने वाले समय में एक पूर्ण राजनीतिक दल का रूप धारण कर सकता है। वर्ष 2021 में उन्हें तमिलनाडु में दल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। बहुत ही अल्प समय में वे राज्य की राजनीति का एक अपरिहार्य और चर्चित चेहरा बनकर उभरे। उनकी संवाद शैली अत्यंत सीधी और सीधे प्रहार करने वाली रही है, जिसके कारण उन्होंने वर्तमान द्रमुक सरकार की नीतियों पर लगातार तीखे हमले किए और अपने दल को राज्य में एक स्वतंत्र राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की पुरजोर कोशिश की। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में यद्यपि उनका दल राज्य में कोई भी निर्वाचन क्षेत्र जीतने में सफल नहीं हो सका, परंतु उनके नेतृत्व में दल का मत प्रतिशत पहली बार दो अंकों तक पहुंचने में कामयाब रहा, जिसे राज्य की राजनीति में एक बड़ी घटना माना गया। इस सफलता का श्रेय मुख्य रूप से उनकी जनसभाओं और उनके द्वारा आयोजित की गई एन मन्न, एन मक्कल नामक व्यापक यात्रा को दिया गया, जिसने उन्हें युवाओं और शहरी मतदाताओं के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया। राजनीतिक क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि केंद्रीय नेतृत्व ने भविष्य के गठबंधनों को बचाने और राजनीतिक संतुलन बहाल करने के लिए उन्हें प्रदेश अध्यक्ष के पद से मुक्त करने का निर्णय लिया। इसी क्रम में वर्ष 2025 में उनके स्थान पर नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु में दल की कमान सौंपी गई। पद से हटाए जाने के बाद भी उनके प्रति निष्ठा रखने वाले समर्थकों और युवाओं की संख्या में कोई कमी नहीं आई, बल्कि उनके समर्थकों ने इसे उनकी राजनीतिक स्वतंत्रता के एक नए अध्याय के रूप में देखा। यही कारण है कि जब हाल के दिनों में उन्होंने दल की दो अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य केंद्रीय समिति की बैठकों से पूरी तरह दूरी बना ली, तो उनके अलग रास्ते पर जाने की अटकलों को अत्यधिक हवा मिली। वर्तमान समय में तमिलनाडु की राजनीति एक बड़े संक्रमण काल से गुजर रही है। आने वाले कुछ दिन निश्चित रूप से इस बात का निर्धारण करेंगे कि तमिलनाडु का राजनीतिक भविष्य किस करवट बैठने वाला है।

(लेखिक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आत्मबल पाने ईश्वर के सान्निध्य में जाना होगा

संकलित
दर्शन

जब व्यक्ति किसी कार्य को करने चलता है, तो उसके मन-हृदय में बारंबार विचार-भाव उठते हैं कि वह कार्य करें या नहीं, उससे होगा या नहीं और परिणाम भी सफलता और असफलता के रूप में सामने आता है। किसी कार्य को करने के लिए बल की आवश्यकता होती है। इसके बिना उसको गति देना असंभव है। कई बार किसी कार्य को करते समय नाना-प्रकार के संकट उसमें बाधा बन खड़े हो जाते हैं। ऐसे में कोई व्यक्ति उस कार्य को बीच में ही छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उसे असफलता हाथ लगती है। असफलता यह सिद्ध करती है कि अमुक कार्य को पूरे मनोयोग से नहीं किया गया। मनोयोग का अर्थ होता है-तन, मन और हृदय से समर्पित होकर किसी कार्य को करना। किसी कार्य में सफल होने के लिए व्यक्ति में मानसिक संतुलन, विश्वास, जिज्ञासा, लगन, संघर्ष करने की क्षमता और तन्मयता जैसे गुणों का होना जरूरी होता है। इनकी प्राप्ति आत्मबल से होती है। आत्मबल की प्राप्ति के लिए ईश्वर के सान्निध्य में जाना पड़ता है। सान्निध्य पाने के लिए ईश्वर का विश्वास आवश्यक है। विश्वास पाने के लिए तप-साधना करनी पड़ती है। चूंकि आत्मबल में ईश्वर की शक्ति निहित होती है, इसीलिए इसे ब्रह्मबल भी कहते हैं। आत्मबल से संपन्न मनीषी के लिए कोई कार्य असंभव नहीं रहता है। उसका कोई कार्य बीच में नहीं रुकता है। जब शरीरबल और मनोबल टूट जाता है तो उस समय आत्मबल सहारा देता है। आत्मबल से युक्त व्यक्ति कभी हताश-निराश नहीं होता है।

साधु संगत से चोर ने चोरी छोड़ी

संकलित
प्रेरणा

एक डाकू था, जो लूट पाट करता था। एक बार एक गांव से धन लूटकर वो भाग रहा था कि घोड़े पर से गिर कर घायल हो गया। उसने देखा पास में ही एक साधू की कुटिया है, धन को जमीन मे गाड़कर वो साधु की कुटिया में गया। साधु रात्रि भोजन के लिए ही बैठे थे। दरवाजे पर दस्तक सुन उन्होंने कहा, जो कोई भी है, अन्दर आ जाओ। डाकू अन्दर गया तो साधु ने उसे भी बैठने के लिए आसन दिया, और पहले उसके समक्ष भोजन परोसा, फिर स्वयं लिया। साधु ने उसे भोजन प्रारम्भ करने को कहा- आप अतिथि है इसलिए आप ईश्वर सामान है, आप पहले भोजन आरंभ करे। डाकू को आजतक किसी ने इतने सम्मान से ना कहा था और ना ही खिलाया था। डाकू ने भोजन किया। साधु ने एक चटाई उसके लिए बिछा दी और कहा रात में आप कहां जाइएगा तो यही विश्राम कर लीजिए। डाकू थोड़ा घायल था, तो चलने में उसे तकलीफ़ हो रही थी, जैसे ही साधु को उसके ज़ख्म का पता चला, उसका उपचार करने लगे। कुछ पत्तो को पीसकर उसका रस लेप करके एक कपड़े से उसके ज़ख्म पर बांधा। और सहारा देकर उसे चटाई पर लिटाया। डाकू साधु की उदारता से बहुत प्रभावित हुआ, उसने कहा, बाबा आप कितने संतुष्ट और उदार व्यक्तित्व के स्वामी है। आप में दया की भावना है। क्या आपको कभी धन की लालसा नहीं होती? साधु बोले- धन तो नश्वर है बालक, और जो चीज नष्ट हो जाए उसके लिए लालसा करना विनाश की ओर अग्रसर होना है।

विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून) पर विशेष

समय रहते समझें, प्रकृति के संकेत, पर्यावरण संरक्षण को, हरदम रहें सचेत

प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए–हमारे भविष्य के लिए थीम पर मनेगा दिवस

लेखक ---- मुकेश शर्मा

हिन्दी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

हर साल तापमान में हो रही बढ़ोत्तरी से भीषण गर्मी की मार झेल रहे लोग, आग की लपटों से झुलसते जंगल, समुद्र का बढ़ता जल स्तर, पिघलते ग्लेशियर साफ संकेत दे रहे हैं कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति अब भी न चेते तो बहुत देर हो जाएगी। इन संकेतों को गंभीरता से लेते हुए आज जल, जंगल और जमीन को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर मुहिम चलाने की जरूरत है। वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के जरूरी कदम उठाये जाएँ। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता की अलख जगाने के लिए ही हर साल पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इसका मकसद लोगों को सचेत करना है कि भावी पीढ़ी को धरती पर स्वस्थ वातावरण, हरित विकास प्रदान करना है तो आज ही उसके लिए वह सभी जरूरी कदम उठाएं जिससे पर्यावरण हरा-भरा, स्वच्छ और सुरक्षित बने। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस की थीम-ह्लप्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए झहमारे भविष्य के लिएह्व तय की गयी है।

पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने का एक प्रमुख कारण ग्रीन हाउस गैसों जैसे-कार्बन डाइआक्साइड का बड़ी मात्रा में उत्सर्जन है, जिसके कारण जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और मौसम चक्र में बदलाव जैसी विभीषिका का अंदेशा बना हुआ है। इसके चलते ही लगातार तापमान में वृद्धि हो रही है, समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और ग्लेशियर पिघल रहे हैं। जलवायु वैज्ञानिकों का तो यहाँ तक मानना है कि ग्रीन हॉउस गैसों का उत्सर्जन इसी तरह जारी रहा तो 21वीं सदी में तापमान तीन डिग्री से अधिक बढ़ सकता है। पेट्रोल-डीजल मोटर गाड़ियों की बढ़ती तादाद और कारखानों से निकलने वाले कचरे भी वायु और पर्यावरण को दूषित कर रहे हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए इलेक्ट्रानिक वाहनों को बढ़ावा देना होगा और सार्वजनिक वाहनों से यात्रा को प्राथमिकता देनी होगी ताकि कार्बन डाइआक्साइड के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन में कमी लाने के साथ ही धूल और धुएं के प्रदूषण में भी कमी आ सके। धरती की शोभा को बढ़ाने वाले हरे-भरे पेड़ों की जगह कंक्रीट के जंगल ले रहे हैं, बन रहीं ऊँची-ऊँची अट्टालिकाएं और कारखाने एक ओर जहाँ हमें आधुनिकता का भान करा रहे हैं वहीं यह सभी पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऑक्सीजन की समस्या से लोग जूझ रहे हैं, बीमारियाँ पाँव पसार रही हैं। कई वन्य जीवों और पौधों की प्रजातियाँ विलुप्त होने की कगार पर हैं। इसके लिए जरूरी है कि वृक्षारोपण को प्राथमिकता देते हुए उसकी देखभाल पर पूरा जोर दिया जाए ताकि लोगों को जरूरत भर की ऑक्सीजन आसानी से मुफ्त मिल सके। यह अनिवार्य बना देने की जरूरत है कि निर्माण कार्यों के लिए जितने पेड़ों को काटा जाए, उसका दोगुना वृक्षारोपण किया जाए। अंधाधुंध हो रही खदान पर भी लगाम लगाते हुए धरती की उर्वरा शक्ति को बनाये रखना होगा तभी जरूरत के मुताबिक लोगों को खाद्य सामग्री और पीने का पानी नसीब हो सकेगा। इसी के चलते जल स्तर में भी निरंतर गिरावट देखी जा रही है। सिंगल यूज प्लास्टिक के बढ़ते चलन पर पूरी तरह रोक लगानी होगी क्योंकि यह एक बड़े पर्यावरण प्रदूषण को जन्म दे रही है। ज्ञात हो कि आज प्लास्टिक, ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण का बहुत बड़ा कारण बन चुकी है क्योंकि यह जल्दी नष्ट नहीं होती। इसलिए इसको चलन से बाहर करने में ही सभी की भलाई है।

पर्यावरण संरक्षण में युवा वैज्ञानिक, स्कूल-कॉलेज के बच्चे बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। यह पीढ़ी सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूक करने के साथ ही उसके लिए उठाये जाने वाले जरूरी कदमों के लिए प्रेरित भी कर सकती है। युवा वर्ग अपनी दिनचर्या में उन छोटी-छोटी आदतों को अपना सकता है, जो पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में सहायक बन सकते हैं, जैसे-सिंगल यूज प्लास्टिक से पूरी तरह दूरी बना लेना, सार्वजनिक वाहनों या साइकिल का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना, वृक्षारोपण और उसकी देखभाल को पसंदीदा शौक बना लेना आदि। वृक्षारोपण और सफाई अभियानों में अपना बहुमूल्य समय देकर वह समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बन सकते हैं। युवा वैज्ञानिक भी कूड़ा-कचरा निस्तारण की आधुनिक तकनीक अपनाने और सौर ऊर्जा को प्राथमिकता देने के लिए लोगों को प्रेरित कर सकते हैं और समय-समय पर अपने शोध से उसमें और सुधार भी ला सकते हैं।

बढ़ता पर्यावरण प्रदूषण देश की अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव डाल रहा है। इसकी वजह से बढ़ती बीमारियों से निपटने के लिए एक बड़ी राशि खर्च करनी पड़ रही है। सीमित प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ती आबादी का भी दबाव साफ देखा जा सकता है। शहरीकरण के चलते कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है। उर्वरा शक्ति की कमी के चलते अनाज की पैदावार में भी निरंतर कमी देखी जा रही है। यही स्थिति रही तो आने वाली पीढ़ी को भरपेट भोजन और पीने के लिए स्वच्छ जल तक मिलना मुश्किल हो जायेगा। इसी भयावह स्थिति का अंदाजा लगाते हुए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1972 में पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस की शुरूआत की थी क्योंकि तब तक पर्यावरण प्रदूषण वैश्विक समस्या का रूप अख्तियार कर चुका था। ह्लकेवल एक पृथ्वीह्व स्लोगन के साथ पहला विश्व पर्यावरण दिवस वर्ष 1973 में मनाया गया ताकि पर्यावरण प्रदूषण के हर संभावित जोखिम के बारे में वैश्विक स्तर पर लोगों को आगाह किया जा सके और उससे बचने के उपायों के बारे में हर जरूरी सन्देश भी लोगों तक पहुंचाए जा सकें।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

X ट्रेंड f

डीके शिवकुमार को बधाई

कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर डीके शिवकुमार को हार्दिक बधाई। उन्हे उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं। केंद्र सरकार जन कल्याण के लिए कर्नाटक सरकार के साथ मिलकर काम करेगी। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

लोगों की सेवा करते रहेंगे

कर्नाटक के लोगों ने हम पर भरोसा किया और वह भरोसा हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और मंत्रिपरिषद को हार्दिक बधाई, जो कर्नाटक के लोगों की आकांक्षाओं को आगे बढ़ाएंगे। हम कर्नाटक के लोगों की बात सुनते रहेंगे, उनकी सेवा करते रहेंगे।
-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

हर पात्र को लाभ मिले

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी और डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता से ही 3,000 रुपये की सहायता राशि देने का वादा पूरा किया गया है। जैसे-जैसे फॉर्म मिलते जाएंगे, उनका सत्यापन किया जाएगा व पैसे खातों में अंतरित किए जाएंगे। हमारा लक्ष्य है कि हर पात्र महिला को यह लाभ मिले।
-शुभेंदु अधिकारी, मुख्यमंत्री, बंगाल

जैविक खेती अपनाएं

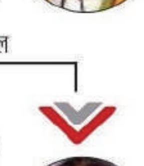

मैंने स्वयं जैविक खेती अपनाने का फैसला किया है। मै चाहती हू कि दूसरे भी ऐसा ही करें। पहले साल मुझे नुकसान हो सकता है। मै अपनी जमीन जोतने जा रही हू। हर साल 12 दिसंबर को मैं मजदूरों के साथ खेतों में गन्ने की कटाई करूंगी।
-पंकजा मुंडे, पर्यावरण मंत्री, महाराष्ट्र

परीक्षा केन्द्र राजकीय पॉलीटेक्निक का डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण

जिले के 11 परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न होगी भर्ती परीक्षा

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित उ.प्र. पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती हेतु 08 से 10 जून 2026 तक दो पालियों में सम्पन्न होने वाली की लिखित परीक्षा-2025 हेतु जनपद में 11 शिक्षण संस्थाओं को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। भर्ती परीक्षा को शासन की मंशानुसार स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी, सुचितापूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी/अपर जिलाधिकारी अमित कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह के साथ परीक्षा केन्द्र राजकीय पॉलिटेक्निक आसाम चौराहा भिनगा रोड का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मौके पर मौजूद प्रधानाचार्य अरूण कुमार को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जीवन के लिए वरदान हैं पीपल, पाकड़ और बरगद के वृक्षः मोहम्मद शाकिब

विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर 21 पौधों का रोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर प्रतिभा संरक्षण सेवा न्यास एवं वन प्रभाग बहराइच के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय नर्सरी परिसर टेड़वा बसंतपुर में पौधरोपण सप्ताह के द्वितीय दिवस वृहद पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के संरक्षक घनश्याम वाजपेई ने की। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पं. रमाकांत मिश्र ने आम, आंवला, गुलमोहर, नींबू एवं पीपल सहित 21 पौधों का रोपण कराया। प्रतिभा संरक्षण सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि पेड़ पर्यावरण के समग्र स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। वृक्ष वन्यजीवों को आवास प्रदान करते हैं, जैव विविधता को बढ़ावा देते हैं तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण ही धरती को सुरक्षित और रहने योग्य बनाए रखने का सबसे प्रभावी उपाय है। मुख्य अतिथि वन क्षेत्राधिकारी मोहम्मद शाकिब ने कहा कि पीपल, बरगद, पाकड़, नीम, आम और जामुन जैसे वृक्ष मानव जीवन के लिए वरदान हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधरोपण करने तथा लगाए गए पौधों की सुरक्षा और देखभाल सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्याप्त ऑक्सीजन और संतुलित पर्यावरण के लिए पीपल, पाकड़ और बरगद जैसे वृक्षों का रोपण विशेष रूप से किया जाना चाहिए। घनश्याम वाजपेई ने कहा कि ह्लवृक्ष लगाओ और जीवन बचाओह्व का संदेश आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। पंडित पुंडरीक पांडेय ने कहा कि पर्यावरण एवं प्राणवायु के संरक्षण के लिए धरती को हरा-भरा रखना अत्यंत आवश्यक है। ध्रुव कुमार मिश्र ने कहा कि वृक्ष हैं तो हमारा आज, कल और पूरा जीवन सुरक्षित है। कार्यक्रम में ध्रुव कुमार मिश्र, संजय सिंह, डॉ. अनंतराम निषाद, रोहित चौधरी, रिशु चौधरी, अशोक मधेशिया, हनुमान प्रसाद, पुंडरीक पांडेय, बजरंग बली पाठक, कृष्ण कुमार मिश्र, अमित शुक्ल, ज्ञानेंद्र तिवारी, धर्मेंद्र सिंह, रामलखन सिंह, कमलेश यादव, अखिलेश कुमार सिंह, प्रभारी नर्सरी महर्षि बाजपेई, वन रक्षक श्रेया पटेल, विशाल जायसवाल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कैसरगंज विकास खंड को मिले नए खंड विकास अधिकारी

सुरेश प्रसाद गौतम ने संभाली ब्लॉक की कमान

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज विकास खंड में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से सुरेश प्रसाद गौतम को नया खंड विकास अधिकारी नियुक्त किया गया है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि गांवों का सर्वांगीण विकास, पारदर्शिता और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी जिम्मेदारी है और इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गांव के प्रत्येक नागरिक के साथ न्यायपूर्ण एवं सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा तथा विकास कार्य पूरी पारदर्शिता और नियमानुसार कराए जाएंगे। सुरेश प्रसाद गौतम ने कहा कि विकास खंड क्षेत्र में जो भी कार्य लंबे समय से अधूरे पड़े हैं, उन्हें तत्काल प्रभाव से पूरा कराने की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। गांवों में सड़क, नाली, खड़ंजा, स्वच्छता, पेयजल, आवास, शौचालय एवं मनरेगा से जुड़े विकास कार्यों को गति देने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांवों की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसके लिए सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों को जवाबदेह बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा और भ्रष्टाचार या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नव नियुक्त खंड विकास अधिकारी ने ग्राम प्रधानों, पंचायत सचिवों एवं कर्मचारियों से समन्वय बनाकर गांवों के विकास को नई दिशा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप गांवों को आत्मनिर्भर एवं आधुनिक बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

डॉक्टर वासुदेव वर्मा बने कैसरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देना होगी पहली प्राथमिकता

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर वासुदेव वर्मा को अधीक्षक बनाए जाने के बाद क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है। पदभार संभालने के बाद मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए डॉक्टर वासुदेव वर्मा ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप आम जनता को बेहतर और सुगम स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, मरीजों के प्रति संवेदनशीलता और समय पर उपचार सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। डॉक्टर वासुदेव वर्मा ने बताया कि कैसरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एक बड़े क्षेत्र की आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। यहां प्रतिदिन पांच सौ से अधिक मरीज ओपीडी में इलाज के लिए पहुंचते हैं। इतनी बड़ी संख्या में आने वाले मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मरीजों को समय पर जांच, दवाइयों की उपलब्धता और चिकित्सकीय परामर्श देने के लिए स्वास्थ्य केंद्र के सभी कर्मचारियों को सक्रिय और सजग रहने के निर्देश दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आम लोगों को इलाज के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े, इसके लिए सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, मरीजों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। डॉक्टर वासुदेव वर्मा ने कहा कि मरीजों और उनके परिजनों के साथ सम्मानजनक व्यवहार स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी मरीज के इलाज में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कर्मचारियों को जनहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करना होगा। अध्यक्ष ने बताया कि कैसरगंज सीएचसी के अंतर्गत आने वाले चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) की स्वास्थ्य सेवाओं को भी और बेहतर बनाया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय पर उपचार और सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके, इसके लिए नियमित निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाइयों की उपलब्धता, टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की देखभाल तथा बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही उनका उद्देश्य है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया जाएगा ताकि क्षेत्र की जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके और लोगों का विश्वास स्वास्थ्य विभाग पर और मजबूत हो।

गाय चोरी के बाद नहर किनारे मिले गोवंश के अवशेष

ग्रामीणों और भाजपा नेताओं में भारी आक्रोश

अमन लेखनी समाचार

रिसिया, बहराइच। उत्तर प्रदेश के जनपद बहराइच के मटेरा थाना क्षेत्र से एक बेहद संवेदनशील और तनावपूर्ण खबर सामने आ रही है। यहाँ मोहरबा गाँव में एक किसान की गाय चोरी होने के बाद, नहर के पास गोवंश के अवशेष मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया है और मौके पर भारी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए हैं। मोहरबा गाँव के रहने वाले कैलाश की गाय को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया था। मोहरबा गाँव के पास स्थित दर्जिन पुरवा नहर के किनारे गाय के अवशेष बरामद हुए हैं। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि कैलाश की गाय को चोरी करने के बाद गो-कसी (गाय काटने) की इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया गया है। तनाव की सूचना मिलते ही मटेरा थाना प्रभारी हरिकेश सिंह पुलिस बल के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए गोवंश के अवशेषों को कब्जे में ले लिया है और मामले की गहन जाँच शुरू कर दी है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल सतर्क है। घटना की भनक लगते ही भारतीय जनता पार्टी (इखढ) के नेता और कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौके पर पहुँच गए। मटेरा के समाजसेवी शिवेंद्र ठाकुर, पूर्व मंडल अध्यक्ष आलोक अग्रवाल वर्तमान मंडल अध्यक्ष कुश शुक्ला , मंडल महामंत्री मनोज सिंह, संजय यादव ,निलेश मिश्रा, आयुष अग्रवाल, लीला धर पाण्डेय धर्म राज जयसवाल ने कार्यकताओं के साथ घटनास्थल का बारीकी से जायजा लिया। भाजपा नेताओं ने इस घटना पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए मटेरा पुलिस से गो-कसी करने वाले अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार कर रासुका (ठरअ) जैसी कड़ी धाराओं में कार्रवाई करने की माँग की है। नहर किनारे गोवंश के अवशेष मिलने के बाद से मोहरबा और आसपास के गाँवों के ग्रामीणों में जबरदस्त गुस्सा है। लोग आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की माँग पर अड़े हैं। पुलिस प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है ताकि कानून व्यवस्था न बिगड़े। क्षेत्रीय जनता में इस घटना को लेकर भारी रोष बना हुआ है।

जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह का आगमन आज

अमन लेखनी समाचार / मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात विभाग/प्रभारी मंत्री जनपद बहराइच दिनेश प्रताप सिंह का 05 जून 2026 को जनपद आगमन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। मंत्री श्री सिंह 05 जून 2026 को सांय 06:00 बजे लो.नि.वि. निरीक्षण भवन बहराइच पहुंचेंगे। मंत्री सांय 06:00 बजे मो. शिवनगर दसईपुरवा स्थित नगर कोषाध्यक्ष भाजपा बबलू चक्रवर्ती के आवास पर जायेंगे तदोपरान्त शाम 07:50 बजे निरीक्षण भवन वापस आकर रात्रि विश्राम करेंगे। प्रभारी मंत्री 06 जून 2026 को पूर्वान्ह 10:10 बजे भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ भेंट वार्ता करेंगे तथा पूर्वान्ह 11:10 बजे मेडिकल कालेज का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिंह 12:40 बजे लो.नि.वि. निरीक्षण भवन में प्रशासनिक समन्वय समिति एवं कोर कमेटी की बैठक करेंगे तथा अपरान्ह 01:15 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के साथ विकास कार्यों, कानून व्यवस्था एवं विभिन्न कार्यों एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे। मंत्री श्री सिंह अपरान्ह 02:45 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में मीडिया बन्धुओं के साथ प्रेस-वार्ता करेंगे तथा अपरान्ह 03:25 बजे किसी एक कस्तूरबा गांधी विद्यालय, निराश्रित गोवंश आश्रय स्थल एवं बड़ी निमार्णाधीन विकास परियोजना का भौतिक सत्यापन/स्थलीय निरीक्षण करेंगे। मंत्री श्री सिंह अपरान्ह 05:00 बजे रायबरेली के लिए प्रस्थान कर जायेंगे।

जिलाधिकारी के निर्देशन में बड़ी कार्रवाई लापरवाही पर लेखपाल निलंबित

आईजीआरएस में लापरवाही पर प्रशासन का बड़ा एक्शन।

जन शिकायतों के निस्तारण में ढिलाई पड़ी भारी।

सुशासन पर फोकस डीएम ने दिखाई सख्ती।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में जनपद में प्रशासनिक कार्यों की नियमित समीक्षा के दौरान लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण न करने, अंश निर्धारण के मामलों में अपेक्षित प्रगति न लाने के मामले में लेखपाल मदन मोहन यादव के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई है। उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज द्वारा जारी आदेश के अनुसार, क्षेत्र सुरसत खुर्द, राजस्व निरीक्षक क्षेत्र रायपुर में तैनात लेखपाल मदन मोहन यादव को प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है तथा उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि आईजीआरएस पोर्टल पर लंबित संदर्भों का समय से निस्तारण नहीं किया गया, अंश निर्धारण के कार्यों में शिथिलता बरती गई। इन मामलों को गंभीर प्रशासनिक लापरवाही मानते हुए यह कार्रवाई की गई है। इसी प्रकार से तहसीलदार सदर, तहसीलदार ओबरा, तहसीलदार घोरावल, तहसीलदार दुद्धी, क्षेत्रिय प्रदूषण अधिकारी, को स्पष्टीकरण जारी किया गया है इसी क्रम में अधीक्षण अभियन्ता जल निगम ग्रामीण, अधिशासी अभियन्ता विद्युत पिपरी, क्षेत्रिय वना अधिकारी वन प्रभाग सोनभद्र (एस0डी0ओ0), अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत डाला, क्षेत्रिय वना अधिकारी बन प्रभाग ओबरा, लेखपाल तिलौली कला, लेखपाल बैराखड़, लेखपाल पिड़ारी, लेखपाल पतरिहा, लेखपाल चौना, लेखपाल घिवाही, लेखपाल सलहीयाडीह, लेखपाल मारकुण्डी, लेखपाल अइलकर, लेखपाल सुकृत, लेखपाल व्यवहारी, लेखपाल जेन्दी, लेखपाल चिन्तामानपुर, लेखपाल परही, लेखपाल मधुपुर, लेखपाल गुल्लीडाढ़, लेखपाल बट्ट, खण्ड विकास अधिकारी रावर्टसगंज, थानाध्यक्ष बभनी, अधिशासी अभियन्ता मीरजापुर नहर प्रखण्ड को जून माह का वेतन भुगतान पर रोक लगायी गयी है। अत्यधिक असंन्तुष्ट फीडबैक प्राप्त होने व आई0जी0आर0एस0 पर प्राप्त शिकायतो का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न किये जाने के सम्बन्ध मे।

पंचायती राज में देवकली ब्लॉक की अनुसूचित जाति की महिलाओं के सशक्तिकरण पर पीजी कॉलेज की छात्रा ने किया शोध

विंध्य ज्योति संवादाता

गाजीपुर जिले में स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विभागीय शोध समिति के तत्वावधान में पूर्व शोध प्रबंध प्रस्तुति संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जहां राजनीति विज्ञान विभाग की शोधार्थिनी हर्षिता जोशी ने पंचायती राज में अनुसूचित जाति की महिलाओं का सशक्तिकरण, गाजीपुर के देवकली ब्लॉक का एक अध्ययन विषयक शोध प्रबंध प्रस्तुत किया। कहा कि पंचायती राज व्यवस्था अनुसूचित जाति की महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। 73वें संविधान संशोधन के बाद महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिलने से उनके सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में व्यापक परिवर्तन देखने को मिले हैं। अपने अध्ययन के निष्कर्षों को प्रस्तुत करते हुए उन्होंने बताया कि देवकली ब्लॉक में पंचायतों में आरक्षण की व्यवस्था ने अनुसूचित जाति की महिलाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की शक्ति का विकास किया है। हालांकि अशिक्षा, आर्थिक निर्भरता, सामाजिक रूढ़िवादिता तथा प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व जैसी चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं, लेकिन पंचायती राज व्यवस्था ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने अपने शोध में महिला प्रतिनिधियों के लिए नियमित प्रशिक्षण, पंचायत प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंधन की जानकारी, महिला शिक्षा को बढ़ावा, स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने, सामाजिक भेदभाव समाप्त करने के लिए जागरूकता अभियान चलाने तथा पंचायत बैठकों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने जैसे सुझाव भी दिए।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला युवक, मौत

मोतीपुर थाना क्षेत्र के बोटनिहा गांव की घटना, जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। थाना मोतीपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोपिया के मजरा लाला बोटनिहा में गुरुवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।बृहस्पतिवार की सुबह गांव के कुछ लोग शौच के लिए खेतों की ओर गए थे। इसी दौरान उन्होंने बकैना के एक पेड़ पर रस्सी के सहारे एक व्यक्ति को लटका देखा। सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान राजकुमार (35) पुत्र बेचन लाल निवासी लाल बोटनिहा के रूप में हुई। परिजनों ने घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर थाना मोतीपुर पुलिस को अवगत कराया। इसके बाद थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी मंजू देवी, पुत्री अंशिका (13 वर्ष), पुत्र धर्मवीर (8 वर्ष), पुत्री आकांक्षा (6 वर्ष) तथा पुत्री तृषा (3 वर्ष) को छोड़ गया है। घटना के बाद पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष आनंद चौरसिया ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन चुर्क में जनपद के समस्त हेड मोहर्रिरों के साथ की गई समीक्षा बैठक

मालखाना प्रबंधन एवं मुकदमाती मालों के समयबद्ध निस्तारण हेतु दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल द्वारा पुलिस लाइन चुर्क स्थित सभागार में जनपद के समस्त थानों के हेड मोहर्रिरों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान विभिन्न थानों के मालखानों में सुरक्षित रखे गए मुकदमाती माल, बरामदगी से संबंधित वस्तुओं, शस्त्रों, वाहनों, मादक पदार्थों एवं अन्य जब्तशुदा सम्पत्तियों के रख-रखाव, अभिलेखों के संधारण तथा उनके निस्तारण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) द्वारा निर्देशित किया गया कि मालखाना में जमा प्रत्येक मुकदमाती माल का अभिलेखीकरण पूर्ण रूप से अद्यतन रखा जाए तथा संबंधित अभिलेखों का नियमित सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मालखाना में रखी गई समस्त वस्तुओं को श्रेणीवार व्यवस्थित रखते हुए उनकी सुरक्षा, संरक्षण एवं उचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए। साथ ही मालखाना में लंबित पड़े मुकदमाती मालों एवं न्यायालय से निस्तारित मामलों से संबंधित वस्तुओं का नियमानुसार एवं समयबद्ध निस्तारण कराए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए, जिससे मालखाना प्रबंधन अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाया जा सके।

शांति, सुरक्षा एवं कानून- व्यवस्था के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा द्वारा डाला क्षेत्र में किया गया फ्लैग मार्च

संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग कर आमजन को दिलाया सुरक्षा का भरोसा।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार द्वारा थाना चोपन क्षेत्रान्तर्गत कस्बा डाला में पर्याप्त पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च के दौरान प्रमुख बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील स्थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग भी की गई तथा संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी गई। अधिकारियों द्वारा स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी प्राप्त की गई तथा जनसहभागिता के माध्यम से शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई।अधिकारियों द्वारा आमजन को आश्वस्त किया गया कि जनपद पुलिस नागरिकों की सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा जनसुरक्षा से जुड़े प्रत्येक विषय पर सतत निगरानी रखी जा रही है।

गैस सिलेंडर में लगी आग से लाखों का नुकसान, बाल-बाल बचा परिवार

कचनरवा में खाना बनाते समय हुआ हादसा, लोगों ने थाने स्तर पर फायर ब्रिगेड की मांग उठाई

अमन लेखनी समाचार

कोन/सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के कचनरवा बाजार स्थित बागेसोती रोड पर शुक्रवार देर शाम गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में घर के भीतर रखा फ्रीज, खाद्य सामग्री और अन्य विद्युत उपकरण जलकर नष्ट हो गए, जिससे लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार कचनरवा निवासी विनोद जायसवाल पुत्र कुंजबिहारी जायसवाल के मकान में शाम करीब 7:45 बजे खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में लीकेज हो गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और किचन सहित आसपास के हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों और प्रशासन के संयुक्त प्रयास से अग्निशामक यंत्रों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। समय रहते आग बुझा लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया और आसपास के मकानों को भी नुकसान होने से बचा लिया गया। मकान मालिक विनोद जायसवाल ने बताया कि आग की वजह से घर में रखा फ्रीज, खाद्य सामग्री तथा अन्य बिजली के उपकरण जलकर नष्ट हो गए हैं। उन्होंने घटना की सूचना प्रशासन को दे दी है। आग बुझाने में अनूप जायसवाल, मनोज यादव, राजेश सिंह, सुनील जायसवाल, राजनारायण जायसवाल, छविंद्र नाथ समेत कई स्थानीय लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रशासन ने लोगों से गैस सिलेंडरों की नियमित जांच कराने, ज्वलनशील वस्तुओं को सिलेंडर से दूर रखने तथा आपात स्थिति में तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचना देने की अपील की। घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों ने कोन थाना क्षेत्र में स्थायी रूप से फायर ब्रिगेड वाहन की व्यवस्था करने की मांग उठाई। उनका कहना है कि क्षेत्र में अग्निशमन वाहन उपलब्ध न होने से आग लगने की घटनाओं में समय पर राहत कार्य प्रभावित होता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

श्रेयस अय्यर बने टी-20 टीम के कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में एक बड़ा बदलाव हो गया है। श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया का नया टी-20 कप्तान बना दिया गया है। अब तक यह जिम्मेदारी सूर्यकुमार यादव के पास थी। 26 जून से आयरलैंड और 1 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम की कमान श्रेयस अय्यर संभालेंगे। इसके साथ ही सूर्यकुमार यादव के युग का अंत हो जाएगा।

श्रेयस को इंडियन प्रीमियर लीग में कप्तानी का अच्छा खास अनुभव है। इतना ही नहीं श्रेयस की कप्तानी में 2024 में कोलकाता नाइटराइडर्स ने खिताब पर कब्जा जमाया था। फाइनल में केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी थी। श्रेयस की गिनती आईपीएल के सफल कप्तानों में होती है। अय्यर ने आईपीएल

2018 से अब तक 101 मैचों में कप्तानी की है। इस दौरान उनकी टीम ने 55 मैच जीते हैं। उनका जीत प्रतिशत 54.45 है। अय्यर के नेतृत्व में उनकी टीम को 41 मैच में हार का मुंह देखना पड़ा है। साथ ही 2 मैच टाई और 3 बेनतीजा रहे हैं। श्रेयस ने दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स की कप्तानी की है। आईपीएल 2025 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स खिताब से एक जीत दूर रह गई थी। निर्णायक मुकाबले में पंजाब को आरसीबी के हाथों हार मिली थी। आईपीएल 2026 में भी अय्यर के नेतृत्व में आईपीएल ने दमदार शुरूआत की। पहले 7 मैच में फ्रेंचाइजी ने हार का मुंह नहीं देखा था। ऐसे में लगने लगा था कि पंजाब आसानी से प्लेऑफ का टिकट कटा लेगी। हालांकि, इसके बाद पंजाब की किस्मत पलटी और टीम अगले 6 मैच हार गई। आखिरी ग्रुप मैच में जीत के बाद भी पंजाब अंतिम-4 का टिकट नहीं कटा सकी और प्वाइंट्स टेबल में 5वें पायदान पर रही। 19वें सीजन में श्रेयस ने कमाल की बल्लेबाजी की। उन्होंने 14 मैच की 13 पारियों में 498 रन बनाए।

कोहली अफगानिस्तान की वनडे श्रृंखला से बाहर

नयी दिल्ली। भारत के सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली हाल में समाप्त हुए आईपीएल के दौरान मांसपेशियों (हैमस्ट्रिंग) में खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून से शुरू हो रही वनडे श्रृंखला से बृहस्पतिवार को बाहर हो गए। तीन मैचों की श्रृंखला का पहला मैच 13 जून को धर्मशाला में खेला जाएगा। कोहली को रविवार को अहमदाबाद में खेले गए आईपीएल फाइनल के दौरान चोट लगी थी।

उनकी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने यह मैच जीत कर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, कोहली मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। फाइनल के दौरान उन्हें चोट लगी थी। स्कैन से पता चला है कि उनकी डिस्टल सेमीमेम्ब्रेनस टेंडन (घुटने के पीछे की मांसपेशियां) फट गई है। डिस्टल सेमीमेम्ब्रेनस टेंडन का फटना

मांसपेशियों से जुड़ी एक दुर्लभ चोट है जो नसों के उस जाल को प्रभावित करती है जो घुटने के ठीक नीचे मांसपेशियों को पिंडली की हड्डी के अंदरूनी हिस्से से जोड़ती है। अपनी शानदार फिटनेस के लिए मशहूर 37 वर्षीय कोहली ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था। कोहली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल में नाबाद अर्धशतक लगाकर विजयी रन बनाया था। अपने टी20 खेल में कुछ बदलाव करने वाले कोहली ने आरसीबी के विजय अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक सहित 675 रन बनाए।

कोहली के बाहर हो जाने से आगामी वनडे श्रृंखला की चमक भी फीकी पड़ गई है। भारत के पूर्व कप्तान कोहली अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं लेकिन अब भी वह दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कोहली की शानदार फिटनेस को देखते हुए ऐसा कभी कभार ही हुआ है जब वह चोटिल होने के कारण किसी मैच या श्रृंखला से बाहर हो गए हों। अब यह देखना बाकी है कि रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ पूरी श्रृंखला के लिए उपलब्ध रहते हैं या नहीं। वह भी कोहली की तरह अब केवल वनडे प्रारूप में ही भारत की तरफ से खेलते हैं।

दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बनीं जैस्मिन

प्रिया और विश्वनाथ विश्व रैंकिंग में शीर्ष तीन में, भारतीय मुक्केबाजों ने महिलाओं के 10 में से नौ वजन वर्ग में शीर्ष 10 में बनायी जगह

एजेंसी

नयी दिल्ली। गत विश्व चैंपियन जैस्मिन लंबोरिया नवीनतम विश्व मुक्केबाजी रैंकिंग में महिला 57 किग्रा वर्ग में शीर्ष पर हैं जबकि एशियाई चैंपियशिप के स्वर्ण पदक विजेता प्रिया घंघास (60 किग्रा) और विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा) अपने-अपने वर्ग में शीर्ष तीन में शामिल हैं। भारतीय मुक्केबाजों ने महिलाओं के 10 में से नौ वजन वर्ग में शीर्ष 10 में जगह बनाई है जबकि पुरुषों के 10 में से आठ वजन वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की है। महिला वर्ग में मीनाक्षी 48 किग्रा वर्ग में दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बनीं हुई हैं जबकि प्रीति पवार 54 किग्रा वर्ग में पांच स्थान के फायदे से तीसरे पायदान पर हैं।

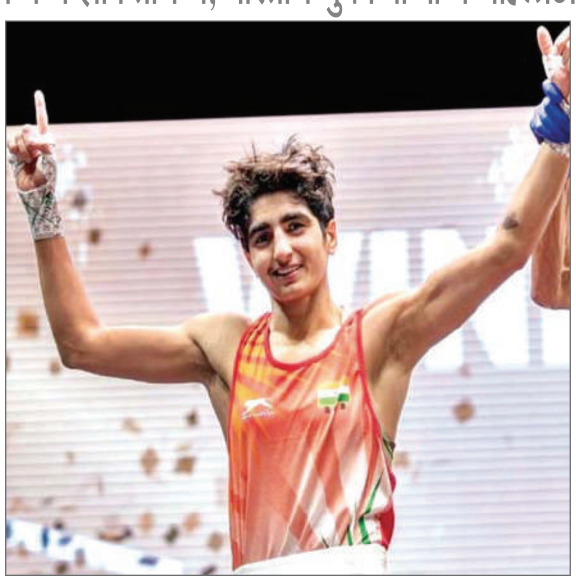

इस साल एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली जैस्मिन एक स्थान के फायदे से दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बन गईं। विश्व कप की पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और नुपुर (80 किग्रा से अधिक) अपने-अपने वजन वर्ग में दूसरे स्थान पर काबिज हैं। इस साल राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहीं दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) एक स्थान के नुकसान से चौथे स्थान पर हैं। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) सातवें स्थान पर बरकरार हैं। पुरुष वर्ग में सचिन सिवाच (60 किग्रा) और एशियाई खेलों के पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा से अधिक) शीर्ष पांच मुक्केबाजों में शामिल हैं।

विश्व कप के स्वर्ण पदक विजेता हितेश गूलिया (70 किग्रा) एक स्थान के नुकसान से छठे जबकि अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) आठवें पायदान पर हैं। आकाश (75 किग्रा) और लोकेश (85 किग्रा) भी शीर्ष 10 में शामिल हैं। दोनों आठवें स्थान पर हैं। वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के मामले में भारत अभी तीसरे स्थान पर है। महिला वर्ग में मजबूत ताकत बनकर उभरा भारत दूसरे पायदान पर है जबकि पुरुष वर्ग में चौथे स्थान पर है। महिला वर्ग मे प्रवीन (60 किग्रा) 13वें जबकि अंकुशिता बोरो (65 किग्रा) 11वें स्थान पर हैं। पुरुष वर्ग में अंकुश (80 किग्रा) 11वें जबकि दीपक (70 किग्रा) 12वें स्थान पर हैं। जुगनू (85 किग्रा) 14वें, हर्ष चौधरी (90 किग्रा) 10वें और सुमित (75 किग्रा) तथा कुमार नवीन (90 किग्रा) दोनों 18वें पायदान पर हैं।

मुझे विश्वास है कि भविष्य में योगासन ओलंपिक में जगह बनायेगा : पीएम मोदी

नयी दिल्ली। अहमदाबाद में पहली विश्व योगासन खेल चैम्पियनशिप को योग के नये चरण का शुभारंभ बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें विश्वास है कि भविष्य में योगासन ओलंपिक समेत अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में अपनी जगह बनायेगा। अहमदाबाद में पहली विश्व योगासन खेल चैम्पियनशिप की शुरूआत की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल भाषण में कहा, अहमदाबाद की धरती से विश्व की खेल विरासत में एक और नया अध्याय जुड़ा है। पहली विश्व योगासन चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने आये सभी देशों के खिलाड़ियों का भारत में स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि भविष्य में योगासन भी अंतरराष्ट्रीय खेलों में अपनी जगह बनायेगा। ओलंपिक हो या बहुखेल आयोजन हो।निश्चित तौर पर अहमदाबाद में होने वाली पहली योगासन विश्व चैम्पियनशिप की इसमें बड़ी भूमिका होगी। अहमदाबाद में हो रही इस चैम्पियनशिप में 60 से अधिक देशों के 400 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। मेजबान भारत ने 122 सदस्यीय दल उतारा है जिसमें खिलाड़ी छह वर्ग में मुकाबला करेंगे। ये खिलाड़ी पांच दिन में व्यक्तिगत और कलात्मक स्पर्धा में अपना कौशल दिखायेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने योगासन खेल के विस्तार को नयी संभावनाओं का सृजनकर्ता बताते हुए कहा, हर बड़ा आयोजन अपने साथ रोजगार के नये अवसर पैदा करता है। जैसे जैसे योगासन खेल का विस्तार होगा, इससे जुड़ी नयी संभावनायें बनेंगी। यह खिलाड़ियों, ट्रेनर, खेल वैज्ञानिक, शोधकर्ताओं और इवेंट मैनेजर्स के लिये भी नये अवसर बनायेगा।

योगासन वर्तमान में आधिकारिक ओलंपिक खेलों का हिस्सा नहीं है। हालांकि इसे वैश्विक खेल के रूप में मान्यता दिलाने के प्रयास तेजी से चल रहे हैं। भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय संस्थायें इसे 2036 ओलंपिक में शामिल कराने के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत हैं जिसकी मेजबानी का भारत इच्छुक है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय विश्व योग दिवस से पहले यह चैम्पियनशिप खेल और फिटनेस की डबल डोज लेकर आई है। उन्होंने कहा, अहमदाबाद यूनेस्को विश्व हेरिटेज सिटी है और भारत के इस ऐतिहासिक शहर में ये आयोजन पूरे देश के लिये गर्व की बात है। यह चैम्पियनशिप ऐसे समय में हो रही है जब पूरी दुनिया 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी में जुटी है। यह अपने आप में खेल और फिटनेस की डबल डोज लेकर आई है।

हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

जकार्ता। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को लगातार दूसरे सप्ताह विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह गुरुवार को यहां इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। सिंधू पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी से हार गई थीं। सिंधू ने इंडोनेशिया ओपन के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया और आखिर में 17-21, 14-21 से हार गईं।

इस हार से सिंधू की ओलंपिक चैंपियन के खिलाफ हार का सिलसिला 10 मैच तक बढ़ गया। भारतीय खिलाड़ी अभी तक आन के खिलाफ एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाई है। इस बीच हरिहरन अम्साकरुणन और एमआर अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी ने आरोन ताइ और केंग खाई शिंग की मलेशिया की बेहतर रैंकिंग वाली जोड़ी को हराकर उलटफेर करते हुए पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

हरिहरन और अर्जुन ने राउंड ऑफ 16 मैच में पहला गेम गंवाने के बाद 16-21, 21-15, 21-19 से जीत दर्ज की। मलेशिया की इस जोड़ी ने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप 2026 के पहले दौर में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार जोड़ी को हराया था।

हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और मैच को निर्णायक गेम में खींचाा। आखिरी गेम में भारतीय जोड़ी 16-17 से पीछे चल रही थी लेकिन उन्होंने धैर्य बरकरार रखते हुए 48 मिनट में जीत हासिल कर ली। भारतीय जोड़ी अब अगले दौर में सातवीं वरीयता प्राप्त मलेशिया के गोह जे फेई और नूर इज्जुद्दीन से भिड़ेगी। पुरुषों के एकल वर्ग में आयुष शेट्टी को हांगकांग के ली चेउक यिउ के खिलाफ 21-16, 13-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू और आन ने पहले गेम के शुरू में एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश की।

एक समय स्कोर 10-10 पर बराबर था। इस दौरान सिंधू ने अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म की झलक दिखाई और कोरियाई खिलाड़ी पर दबाव बनाने में कामयाब रहीं। सिंधू अपने आक्रामक स्ट्रोकप्ले के दम पर 15-14 से आगे निकल गई, लेकिन आन ने अपने खास अंदाज में जवाब देते हुए लगातार अंक हासिल किए और 19-16 की बढ़त बना ली। इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने लगातार दो अंक जीते और पहला गेम अपने नाम कर लिया।

संक्षेप

भारतीय हॉकी टीम पाक की चुनौती को तैयार

काकामिगाहारा (जापान)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम शुक्रवार को यहां अंडर-18 एशिया कप के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ अपनी कमियों से उबरकर जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी जबकि महिला टीम चीन के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम पूल ए में तीन जीत और एक हार के साथ दूसरे स्थान पर रही। भारत ने अब तक अपने अभियान में 32 गोल किए और सिर्फ छह गोल खाए। पुरुष टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत कजाखस्तान के खिलाफ 13-0 की शानदार जीत के साथ की जिसके बाद उसे मेजबान जापान के हाथों 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कोरिया पर 4-1 की जीत के साथ जोरदार वापसी की और उसके बाद चीनी ताइपे के खिलाफ 13-1 की बड़ी जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

दो साल, कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के बारे में सोचता रहा : प्रज्ञानानंदा

ओस्लो। भारत के स्टार शतरंज खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंदा ने बृहस्पतिवार को स्वीकार किया कि कैंडिडेट्स टूर्नामेंट नहीं जीत पाने के मलाल से वह उबर नहीं सके क्योंकि उन्होंने इसके लिये काफी मेहनत की थी। बीस वर्ष के ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा इस साल साइप्रस में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट खेलने वाले आठ खिलाड़ियों में थे लेकिन खिताब उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने जीता जो विश्व चैम्पियनशिप खिताब के लिये डी गुकेश के चैलेंजर होंगे। प्रज्ञानानंदा सातवें स्थान पर रहे थे। अब उनके पास उस हार को भुलाकर नॉर्वे शतरंज जीतने का मौका है जिसमें वह वेसले सो से दो अंक पीछे तीसरे स्थान पर हैं और अभी दो राउंड बाकी हैं।

पैरा एथलीट की हत्या की सीबीआई जांच चाहती है पीसीआई, खेलमंत्री को लिखा पत्र

नयी दिल्ली। भारतीय पैरालम्पिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझडिया ने पैरा एथलीट चिराग त्यागी की हत्या की सीबीआई जांच की मांग करते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखकर कहा है कि इस घटना से देश का पैरा खेल जगत सकते में है। त्यागी 30 मई को गाजियाबाद में साई उपवन के समीप मृत पाये गए थे। उत्तर प्रदेश के मुरादनगर के बसंतपुर सेथली गांव के रहने वाले त्यागी राष्ट्रीय स्तर के स्वर्ण पदक विजेता थे और इस साल होने वाले पैरा एशियाई खेलों के लिये क्वालीफाई कर चुके थे। पुलिस ने बताया कि उनकी गोली मारकर हत्या की गई और एक अन्य पैरा एथलीट यश खटिक को इस मामले में हिरासत में लिया गया है। झाझडिया ने तीन जून को खेलमंत्री को लिखे पत्र में कहा, मैं उत्तर प्रदेश के क्लास टी12 (दृष्टिबाधित) पैरा एथलीट चिराग त्यागी की हत्या की ओर आपका त्वरित ध्यान आकर्षित करने के लिये पत्र लिख रहा हूं जिससे समूचा पैरा खेल जगत सकते में है। पत्र में लिखा गया, उनकी मौत से जुड़े हालात गंभीर चिंता पैदा करते हैं, जिनकी निष्पक्ष और गहन जांच होनी चाहिए।

भारत-अफगान वनडे : इकाना स्टेडियम में तैयारियां तेज

खेल संवाददाता

लखनऊ। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे श्रृंखला का दूसरा मुकाबला 17 जून को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच को लेकर उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने तैयारियां तेज कर दी हैं और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में यूपीसीए के सचिव प्रेम मनोहर गुप्ता ने बताया कि मुकाबले के आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम धर्मशाला में पहला वनडे खेलने के बाद 15 जून की शाम तक लखनऊ पहुंच जाएगी। वहीं अफगानिस्तान की टीम भी इसी दिन शहर में पहुंचने की संभावना है। दोनों टीमें 16 जून को इकाना स्टेडियम में अभ्यास सत्र में हिस्सा लेंगी। यूपीसीए के कोषाध्यक्ष सचिन

- 15 जून तक लखनऊ पहुंचेंगी दोनों टीमें

आनंद शुक्ला ने बताया कि जून की भीषण गर्मी को देखते हुए दर्शकों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। स्टेडियम परिसर में आने वाले दर्शकों को मुफ्त पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि उन्हें गर्मी के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने टिकट व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि मुकाबले के लिए टिकटों की शुरूआती कीमत 599 रुपये निर्धारित की गई है, जबकि प्रीमियम श्रेणी के टिकट 25000 रुपये तक उपलब्ध होंगे।

फीफा मैत्री मैच में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद के साथ उतरेगा भारत

एजेंसी

हिसोर (ताजिकिस्तान)। पिछले महीने यूनिटी कप में लगातार दो हार से हताश भारतीय फुटबॉल टीम शुक्रवार को यहां फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में ताजिकिस्तान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। भातर ने पिछले साल सीएएफए नेशंस कप में इसी विरोधी के खिलाफ जीत दर्ज की थी। भारत को हालांकि लंदन में यूनिटी कप के दौरान 27 और 30 मई को क्रमशः जमैका (0-2) और जिम्बाब्वे (0-1) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दूसरा मैच भी रविवार को यहीं खेला जाएगा। पिछले साल 29 अगस्त को सीएएफए नेशंस कप के दौरान हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में ताजिकिस्तान के खिलाफ भारत की 2-1 की जीत मुख्य कोच खालिद जमील के मार्गदर्शन में भारतीय टीम का पहला मैच था। उस टूर्नामेंट में भारत तीसरे स्थान पर रहा था। टीम ने पेनल्टी शूटआउट में ओमान को हराया था। लेकिन अगले छह मैच में भारत सिर्फ एक बार ही जीत दर्ज कर सका और उसे इस दौरना बांग्लादेश और सिंगापुर जैसी टीम से हार का सामना करना पड़ा।

प्रारूप बदलना आसान नहीं, जमकर किया अभ्यास

एजेंसी

मुल्लांपुर। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि कम समय में टी20 क्रिकेट से टेस्ट प्रारूप में खेलना आसान नहीं होता है क्योंकि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को समाप्त हुए अभी एक सप्ताह भी नहीं बीता है और भारतीय टीम को टेस्ट क्रिकेट की तैयारी करनी पड़ रही है। आईपीएल में कुलदीप की फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही और उनका खुद का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। उन्होंने 12 मैचों में सिर्फ 10 विकेट लिए। अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले कुलदीप ने पीटीआई से विशेष साक्षात्कार में कहा कि पिछले दो सप्ताह से वह क्रिकेट के सबसे बड़े प्रारूप में ढलने के लिए नेट पर अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आईपीएल में खेलने के तुरंत बाद लाल गेंद की क्रिकेट खेलना आसान नहीं होता है। इसके लिए अच्छी तैयारी बेहद जरूरी होती है। सौभाग्य से मुझे समय मिल गया। मैंने कम से कम 10 से 15 दिन लाल गेंद से अभ्यास किया। जियोहॉटस्टार के सहयोग से किए गए इस साक्षात्कार में कुलदीप ने कहा, टी20 में आप हमेशा आक्रामक रहते हैं। आप हमेशा

बल्लेबाज के खिलाफ हमलावर तेवर अपनाते हैं और इसी सोच के साथ खेल में बने रहते हैं। लेकिन टेस्ट क्रिकेट में ऐसा नहीं होता। बल्लेबाज के पास काफी समय होता है। उन्होंने कहा, कुछ खिलाड़ी आईपीएल फाइनल के तुरंत बाद यहां आए हैं। उनके पास तैयारी के लिए ज्यादा समय नहीं है। मुझे उम्मीद है कि उन्होंने अच्छी तैयारी की होगी लेकिन निश्चित तौर पर यह बड़ी चुनौती है।

कुलदीप ने टेस्ट मैच की तैयारी के लिए उसके महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान दिया जिनमें धैर्य बनाए रखना भी शामिल है। उन्होंने कहा, लगातार अच्छी लेंथ पर गेंदबाजी करना महत्वपूर्ण होता है। यह बड़ी चुनौती होती है। रणनीति बहुत मायने रखती है। आप किस कोण से गेंदबाजी कर रहे हैं, क्रीज की किस स्थिति का उपयोग कर रहे हैं, यह सभी बातें बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। अगर कुलदीप शनिवार से शुरू होने वाले अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच में खेलते हैं, तो अपने करियर में पहली बार उनके साथ न तो रविचंद्रन अश्विन (संन्यास ले चुके हैं) और ना ही रवींद्र जडेजा (आराम दिया गया) होंगे।

ईरान को फुटबॉल की जंग में उतरने की चुनौती

अंताल्या। दुनिया भर की दिग्गज फुटबॉल टीमें विश्व कप की तैयारी में जुटी है लेकिन ईरान की टीम के सामने अलग ही चुनौती है जिसे ऐसे देश में जाकर खेलना है जिसका सामना उनका देश रणभूमि में भी कर रहा है। तुर्की में ईरान के अभ्यास शिविर के दौरान टीम के दो सदस्यों ने बताया कि किस तरह युद्ध का असर उनकी तैयारियों पर पड़ा है। विश्व कप 2018 और 2022 में ईरान के लिये खेल चुके मिडफील्डर सईद इजातोलाही ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह आसान नहीं है।

सुमित-विवेक ने जीती इंटर कॉर्पोरेट टेनपिन टूर्नामेंट ट्रॉफी

खेल संवाददाता

लखनऊ। सुमित और विवेक की जोड़ी ने लुलु मॉल स्थित फंटूरा बॉलिंग एरिना में आयोजित इंटर कॉर्पोरेट टेनपिन बॉलिंग टूर्नामेंट 2026 के रोमांचक फाइनल में जीत के साथ विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली। जेके सीमेंट लिमिटेड द्वारा प्रायोजित तथा एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड (एसोचैम यूपी-यूके) और उत्तर प्रदेश टेनपिन बॉलिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित टूनार्मेंट ने कॉर्पोरेट जगत, उद्यमियों, पेशेवरों और खेल प्रेमियों को एक साझा मंच प्रदान किया। बुधवार को आयोजित टूनार्मेंट का समापन बेहद रोमांचक स्टेप-लैडर फाइनल्स के साथ हुआ। खिताबी मुकाबले में सुमित और विवेक ने 366-330 के संयुक्त स्कोर के साथ प्रियांशु और राजुल को पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इससे पूर्व दूसरे एलिमिनेटर मुकाबले में प्रियांशु और राजुल ने सौरभ और इन्द्रजीत को 324-264 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। अंतिम परिणामों में सुमित और विवेक पहले स्थान पर रहे, जबकि प्रियांशु और राजुल उपविजेता बने। सौरभ और इन्द्रजीत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। टूनार्मेंट का समापन देर रात आयोजित भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

- रोमांचक फाइनल में प्रियांशु-राजुल को हराया, कॉर्पोरेट वेलनेस और खेलों पर भी हुई विशेष चर्चा

टेनिकॉइट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का खाका तैयार

खेल संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में टेनिकॉइट खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और खिलाड़ियों के लिए अधिक अवसर सृजित करने के लक्ष्य के साथ टेनिकॉइट एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) गुरुवार को हुई। इस दौरान प्रदेशभर से जुटे पदाधिकारियों ने खेल के विस्तार, नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहन तथा आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया। अवध रीजेंसी कैसरबाग स्थित उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के मीटिंग हॉल में हुई बैठक में प्रदेश में टेनिकॉइट के विस्तार, खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने तथा आगामी राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए पदाधिकारियों और जिला सचिवों ने भाग लिया। वाराणसी, बलिया, मऊ, आजमगढ़, लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर, आगरा, शामली, मिजार्पुर, जौनपुर, अयोध्या, गोंडा, गोरखपुर, सुल्तानपुर कुशीनगर, अम्बेडकरनगर, मुजफ्फरनगर, मथुरा, कानपुर देहात, चंदौली, गौतमबुद्ध नगर, उन्नाव, हरदोई, मैनपुरी, प्रतापगढ़, कानपुर, प्रयागराज, सहारनपुर और मेरठ सहित अनेक जिलों के प्रतिनिधियों ने बैठक में सहभागिता की।

- वार्षिक आम बैठक में खिलाड़ियों के बेहतर अवसरों और खेल विस्तार पर जोर

फ्रेंच ओपन के फाइनल में खेलगा इटली का खिलाड़ी

पेरिस। इटली का एक खिलाड़ी फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में खेलेगा और यह खिलाड़ी यानिक सिनर या लोरेंजो मुसेटी नहीं होगा। फ्लेवियो कोबोली शुक्रवार को अपने हमवतन इतालवी खिलाड़ी माटेओ अर्नाल्डी के खिलाफ खेलेंगे। यह दोनों खिलाड़ी पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में खेलेंगे। कोबोली ने फेलिक्स ऑगर-एलियासिमे को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराया।

मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों–जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य–पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळ्ढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर

112-आपातकालीन सेवा
1090 / 1091-महिला सुरक्षा हेल्पलाइन
181-महिला हेल्पलाइन
1930-साइबर अपराध हेल्पलाइन
1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

पीआरवी 9231 के पुलिस कर्मियों द्वारा परीक्षार्थियों को समय से पहुंचाया गया परीक्षा केन्द्र

अमन लेखनी समाचार

चित्रकूट ।पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में प्रभारी डायल 112 शम्भू दयाल मौर्य के मार्गदर्शन में आज दिनांक 03.06.2026 को टी.जी.टी. (ळ्ऋळ) परीक्षा-2026 के कॉलर (परीक्षार्थी) बृजेश कुमार पांडे पुत्र रामधारी पाण्डेय व त्रिभुवन पुत्र कृष्णमुरारी द्वारा डायल 112 के माध्यम से बताया गया कि आज सुबह पाली में पेपर सेंटर त्यागी इंटर कॉलेज ऐंचवारा में था इसके बाद दूसरा पेपर चित्रकूट इण्टर कॉलेज कर्वी में था लेकिन प्रथम पेपर देने के बाद दूसरा पेपर देने कर्वी चित्रकूट इण्टर कॉलेज परीक्षा केंद्र जाना था लेकिन समय की कमी और साधन न मिलने और देरी होने के कारण पीआरवी 9231 के पुलिस कर्मियों द्वारा उचित कार्रवाई करते हुए समय से परीक्षा केंद्र चित्रकूट इण्ट कॉलेज कर्वी पहुंचाया गया। जिससे कॉलर बगैर किसी व्यवधान के परीक्षा मे शामिल हो सका।

जिलाधिकारी के निर्देशन में आपदा जागरूकता अभियान तेज

ग्राम पंचायतों में कराई जा रही वॉल राइटिंग एवं सुरक्षा उपाय।

आपदा प्रबंधन को लेकर प्रशासन अलर्ट, जनपदभर में चल रहा विशेष जागरूकता अभियान।

जनसुरक्षा सर्वोपरि: जिलाधिकारी के निर्देशन में आपदा बचाव के लिए व्यापक अभियान।

सावधानी ही सुरक्षा: ग्राम पंचायतों तक पहुंचा आपदा जागरूकता।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र ।जनपद में आपदा से होने वाली जनहानि एवं दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत सचिवालयों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों की दीवारों पर आपदा से बचाव संबंधी क्या करें और ह्यह्यक्या न करेंह्यह्य विषयक वॉल राइटिंग कराई जा रही है, ताकि आमजन को संभावित प्राकृतिक एवं अन्य आपदाओं के प्रति जागरूक किया जा सके। इसी क्रम में ग्राम पंचायतों में खुले पड़े कुओं, गड्ढों एवं अन्य खतरनाक स्थलों को जाली एवं सुरक्षा कवच के माध्यम से ढकने की कार्रवाई भी व्यापक स्तर पर की जा रही है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। इसके अतिरिक्त नदी, तालाब, पोखरों एवं अन्य जलाशयों के आसपास, जहां डूबने की घटनाओं की आशंका अधिक रहती है, वहां चेतावनी बोर्ड एवं सुरक्षा संबंधी सूचनात्मक संकेतक लगाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा है कि आंधी-तूफान, बिजली गिरने, बाढ़, जलभराव एवं डूबने जैसी आपदाओं से बचाव हेतु शासन-प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का गंभीरता से पालन करें, नदी, तालाब, पोखरे, झरना, चेकडैम, बान्ध आदि स्थल जहॉ पर डूबने से सम्बन्धित अधिक शिकायतें प्राप्त होती है उन स्थानों पर जाने पर सुरक्षा नियमों को पालन करे। खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों एवं विद्युत पोलों से दूर रहें, अनावश्यक रूप से जलाशयों में प्रवेश न करें तथा बच्चों पर विशेष निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सावधानी और जागरूकता से बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है तथा मानव जीवन की रक्षा की जा सकती है। जनपद प्रशासन आपदा प्रबंधन एवं जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार आवश्यक कदम उठाया जा रहा है।

खास समाचार

जिले के स्वास्थ्य विभाग द्वारा निवर्तमान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सीएल वर्मा को भावभीनी विदाई देते हुए नवागत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर कीर्ति कुमार मिश्रा का किया स्वागत

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर । जिले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी पद पर लगभग 3 वर्षों से तैनात मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सी एल वर्मा के संयुक्त निदेशक, स्वास्थ्य निदेशालय लखनऊ पद पर स्थानांतरण होने के पश्चात विभाग द्वारा भावभीनी विदाई देते हुए जिले के नवागत जिम्मेदारी संभालने तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय प्रयागराज से आए डॉक्टर कीर्ति कुमार को मीरजापुर सीएमओ पद की नई जिम्मेदारी संभालने के उपलक्ष्य में विवेकानंद सभागार कक्ष में सम्मान एवं स्वागत किया गया। निवर्तमान सीएमओ डॉ सीएल वर्मा द्वारा जनपद में बीते समय के अनुभव को शेयर करते हुए विभागीय कर्मियों की सराहना करते हुए कहा गया कि आप सभी जिस तरीके से कंधे से कंधा मिलाकर विभागीय कार्यों में अपने दायित्व का निर्वहन करते रहे हैं उसी तरीके से आगामी समय में भी मां विंध्यवासिनी के नगरी को ऊंचाई देने का प्रयास जारी रखिएगा। वर्मा द्वारा यह भी कहा गया कि मेरा आप सभी से लगाव रहा है और आगे भी यह लगाव कायम रहेगा, विभागीय हित में हम हमेशा आप सब के साथ रहेंगे। वही नवागत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कीर्ति कुमार द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि आप सभी अपने दायित्वों का जनहित में ससमय निर्वहन सेवा भाव से करने का प्रयास करिएगा, जिससे कि जिले को स्वास्थ्य लाभ क्षेत्र में एक ऊंचाई मीले। डॉ मिश्रा द्वारा सभी कर्मियों को विश्वास दिया गया कि आप सभी स्वास्थ्य सेवा के एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं और इस कार्य क्षेत्र में मेरा सहयोग और मार्गदर्शन आप सब के साथ सदैव बना रहेगा। वहीं कार्यक्रम के दौरान डाक्टर वीके चौधरी, डॉक्टर मुकेश, डॉक्टर सुदीप ने भारी मन से डाक्टर सीएल वर्मा के साथ बीते स्मरणीय पलों को याद किया। उक्त स्वागत समारोह कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी गड़ो द्वारा दोनों मौजूद अधिकारियों का माला तथा बूके भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन टीबी विभाग के सतीश यादव द्वारा संपन्न किया गया।

राख परिवहन ठप: ट्रक मालिकों का अनिश्चितकालीन धरना, रेट बढ़ाने को लेकर ठेकेदारों के खिलाफ मोर्चा

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र) एनटीपीसी रिहंद परियोजना के राख निस्तारण कार्य में लगे स्थानीय ट्रांसपोर्टरों एवं ट्रक मालिकों ने मंगलवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सिरसोती स्थित कांटा मशीन के पास अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। धरने के चलते राख परिवहन पूरी तरह ठप हो गया, जिससे परिवहन कार्य में लगी सैकड़ों गाड़ियां सड़क किनारे दोनों ओर खड़ी हो गईं और लंबा जाम जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। धरनारत ट्रक मालिकों का आरोप है कि एनटीपीसी से ठेकेदारों द्वारा ऊंची दरों पर कार्य लिया गया है, लेकिन वास्तविक परिवहन करने वाले स्थानीय वाहन मालिकों को बेहद कम भुगतान किया जा रहा है। उनका कहना है कि मौजूदा दरों में डीजल, मेंटेनेंस, बैंक किश्त, बीमा और ड्राइवरों के वेतन का खर्च निकालना भी मुश्किल हो गया है। ट्रांसपोर्टरों ने बताया कि 16 चक्का वाहनों की पासिंग क्षमता 31 टन है और निर्धारित वजन के अनुसार परिवहन करने पर उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उनका कहना है कि वर्तमान दरों पर काम करना घाटे का सौदा बन गया है, जिसके चलते वे लंबे समय से किराया दरों में वृद्धि की मांग कर रहे हैं। ट्रक यूनियन अध्यक्ष मनोज वैश्य ने कहा कि डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन ठेकेदारों द्वारा परिवहन दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई। उन्होंने बताया कि कई वाहन मालिकों की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि पिछले तीन महीनों से ड्राइवरों का वेतन तक नहीं दिया जा सका है। बैंक की किश्तें, वाहन रखरखाव और अन्य खर्चों का बोझ लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक राख परिवहन में लगी सभी गाड़ियां बंद रहेंगी और धरना जारी रहेगा। धरना स्थल पर पहुंचे पूर्व जिला पंचायत सदस्य केदार यादव ने ट्रक मालिकों की मांगों को जायज बताते हुए उन्हें अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि ठेकेदार और प्रबंधन को ट्रांसपोर्टरों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राख परिवहन के कारण आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदूषण और अन्य समस्याएं बढ़ रही हैं, जिस पर भी एनटीपीसी प्रबंधन को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। इस दौरान विजय यादव, प्रेमधारी, मोशिम खान, पुष्पराज यादव, राजेश यादव, कमलेश केशरी, बबलू, बृजेन्द्र कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में ट्रक एसोसिएशन के पदाधिकारी और वाहन मालिक मौजूद रहे। धरने के कारण राख निस्तारण कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है। अब सभी की निगाहें एनटीपीसी प्रबंधन और ठेकेदारों के अगले कदम पर टिकी हैं कि आखिर ट्रांसपोर्टरों की मांगों का समाधान कब और कैसे निकलता है।

शक्तिनगर पुलिस द्वारा एनसीएल के गार्ड के सहयोग से कराई गई डीजल चोरी का खुलासा

250 लीटर चोरी का डीजल एवं घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन बरामद, एक अभियुक्त गिरफ्तार।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक शक्तिनगर सतेन्द्र कुमार राय के कुशल नेतृत्व में थाना शक्तिनगर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना शक्तिनगर द्वारा डीजल चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है तथा उसके कब्जे से चोरी का लगभग 250 लीटर डीजल एवं घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन बरामद किया है ।घटना दिनांक 01.06.2026 की रात्रि में एनसीएल खड़िया परियोजना क्षेत्र में खड़ी डोजर मशीन से लगभग 250 लीटर डीजल चोरी किए जाने की घटना प्रकाश में आई थी। इस संबंध में थाना शक्तिनगर पर मु0अ0सं0 110/2026 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा साक्ष्य संकलन, स्थानीय सूचना तंत्र को सक्रिय कर अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी। दिनांक 02.06.2026 को प्रभारी निरीक्षक शक्तिनगर मय पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग एवं अपराध नियंत्रण हेतु भ्रमणशील थे। इसी दौरान मुखबिर खास से प्राप्त सूचना के आधार पर हरदवा बस्ती, एनसीएल खड़िया स्टेडियम के पास खड़ी बोलेरो वाहन संख्या वढ 64 इळ 5182 की तलाशी ली गई, जिसमें 07 गैलनों में रखा लगभग 250 लीटर चोरी का डीजल बरामद हुआ तथा एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया ।पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि दिनांक 01.06.2026 की रात्रि में एनसीएल खड़िया परियोजना क्षेत्र में खड़ी डोजर मशीन से डीजल चोरी किया गया था। अभियुक्त ने यह भी बताया कि एनसीएल में कार्यरत गार्ड लाहौरी यादव द्वारा अभियुक्तों को बुलाकर मशीनों की लोकेशन, आवागमन एवं अन्य आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराई गई थीं, जिसके फलस्वरूप चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। विवेचना के दौरान लाहौरी यादव की भूमिका प्रकाश में आई है तथा उसके विरुद्ध साक्ष्य संकलित करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। अन्य प्रकाश में आए अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के अवसर पर धनबाद मंडल में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु व्यापक अभियान

अमन लेखनी समाचार

धनबाद। धनबाद मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु व्यापक अभियान चलाया गया अभियान के तहत मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर जल शोधन प्रणालियों का निरीक्षण, पेयजल बूथों की सफाई एवं स्वच्छता संबंधी अनेक गतिविधियाँ की गईं धनबाद एवं बरकाकाना स्थित वाटर रीसाइक्लिंग प्लांट (हफढ) की कार्यप्रणाली की समीक्षा कर यह सुनिश्चित किया गया कि स्टेशनों से निकलने वाले अपशिष्ट जल का समुचित पुनर्चक्रण कर उसका उपयोग बागवानी एवं कोच वाशिंग कार्यों में किया जा सके भीषण गर्मी को देखते हुए यात्रियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी स्टेशनों के पेयजल बूथों, जल संचयन टैंकों एवं नलों की सफाई एवं सैनिटाइजेशन किया गया साथ ही प्लेटफॉर्मों, रेल पटरियों, प्रतीक्षालयों तथा स्टेशन परिसरों में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर 48 प्रगणकों का वेतन रोका गया

दो दिवस में प्रगति सुधारने के निर्देश, अन्यथा होगी कठोर कार्रवाई।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनगणना के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जनपद की चारों तहसीलों में कार्यरत प्रगणकों एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। बैठक में पाया गया कि कुल 48 प्रगणकों द्वारा आवंटित प्रगणना ब्लॉकों में प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। इन 48 प्रगणको में रावर्टसगंज के 19, घोरावल के 10, दुद्धी के 10, ओबरा तहसील 09 सम्मलित है। प्रगणकों द्वारा एच0एल0ओ0 एप पर परिवारों की संख्या संबंधी आंकड़ों का सिंक नहीं किया गया है, जिससे कार्य की प्रगति अत्यंत धीमी पाई गई। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित 48 प्रगणकों के वेतन भुगतान पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित चार्ज अधिकारियों, सुपरवाइजरों एवं प्रगणकों को निर्देशित किया कि आगामी दो दिवस के भीतर कार्य में उल्लेखनीय प्रगति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि में अपेक्षित सुधार न होने पर संबंधित कार्मिकों के विरुद्ध कठोर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा के दौरान ग्रासिम इंडस्ट्री से संबंधित चार्ज अधिकारियों की प्रगति भी संतोषजनक नहीं पाई गई।

मऊ की राजनीति में आरोप प्रत्यारोप की बौछार, दो युवा नेताओं के नाम आगे आए

अमन लेखनी समाचार

चित्रकूट ।मऊ नगर पंचायत की राजनीतिक जिले को भी प्रभावित करती हैं। मऊ नगर पंचायत में इस समय मऊ मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी का आवास कार्यालय है तथा अमित द्विवेदी अध्यक्ष मऊ, विनीत द्विवेदी जिला पंचायत सदस्य, पंडित नवल मिश्रा भाजपा के वरिष्ठ नेता, अजय मिश्रा युवा भाजपा नेता व विजय मिश्रा युवा भाजपा नेता मऊ के निवासी हैं। मऊ मानिकपुर में विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी विकास की नई गाथा गा रहे हैं बिना किसी का विरोध किये । इसी प्रकार बुंदेलखंड केसरी पहलवान शिवऔवतार द्विवेदी के लड़के अमित द्विवेदी राजनीति पर 10 वर्षों से मऊ नगर की राजनीति में काबिज हैं। शिवऔवतार द्विवेदी के दूसरे लड़के विनीत द्विवेदी भाजपा से जिला पंचायत सदस्य हैं जिनकी राजनीति में अच्छी पकड़ है। पूर्व में अमित द्विवेदी की मां जिला पंचायत सदस्य रह चुकी हैं तथा पत्नी ग्राम प्रधान मऊ रह चुकी हैं। क्षेत्र की जनता ने द्विवेदी परिवार को समय के साथ अच्छा मौका भी दिया है। पंडित नवल मिश्रा भाजपा के वरिष्ठ नेता भूतपूर्व ब्लॉक प्रमुख रह चुके हैं। पंडित लाल मिश्रा की पत्नी पुष्पा मिश्रा पूर्व में विधायक का चुनाव में लड़ी थी लेकिन हार गई थी। पंडित नवल मिश्रा का परिवार जन्म से भाजपा पार्टी का भक्त है अदर पार्टी का नहीं। मऊ नगर में द्विवेदी परिवार का वर्चस्व लगभग 15 वर्षों से राजनीति में है। अब समय आ गया है कि पंडित नवल मिश्रा ने अपने दो युवा लड़कों को राजनीति में ताकत व बाहुबल से झोंक दिया है जो कि पिछले चुनाव वर्ष तक यह लोग नहीं तैयार थे। मऊ की राजनीति में द्विवेदी परिवार और मिश्रा परिवार की प्रतिस्पर्धा हमेशा नहीं रही है। मऊ चित्रकूट के राजनीति में महिला कौशांबी के निवासी अविनाश चंद्र द्विवेदी का भी परिवार कूद पड़ा है। मऊ नगर पंचायत में द्विवेदी परिवार का इस समय नाम चल रहा है, लेकिन फेसबुक के इंटरव्यू में अमित द्विवेदी अध्यक्ष ने मऊ राजनीति में भूचाल ला दिया। मऊ नगर पंचायत अध्यक्ष अमित द्विवेदी ने सीधे पंडित नवल मिश्रा के लड़के अजय मिश्रा और परिवार पर निशाना साधा है। दूसरे दिन अजय मिश्रा भाजपा युवा नेता ने फेसबुक में लाइव आकर के द्विवेदी परिवार के राजनीति पर बातें करते हुए दिखे। मऊ नगर पंचायत ब्राह्मण बाहुल्य कस्बा है लेकिन यहां की राजनीति में हमेशा किसी न किसी ने गंदी राजनीति करके आपस में लड़ाया है कहते हैं एक अकेले ब्राह्मण भगवान परशुराम ने दुनिया को अपनी ताकत दिखा दिया था। मऊ के राजनीति में एक दूसरे के ऊपर गलत आरोप प्रत्यारोप से क्षेत्र के लोगों के दिल में कुछ नए विचार पैदा हो गए हैं। एक तरफ द्विवेदी परिवार को विधायक का साया है तो दूसरी तरफ मिश्रा परिवार को निवर्तमान विधायक आनंद शुक्ला का साया इस समय प्राप्त है। समय बलवान होता है जिसका समय साथ देता है वह महान होता है इस समय समय भी द्विवेदी परिवार के साथ है। 2027 की चुनाव की राजनीति मऊ में नया डंका बजाने के लिए तैयार है।

पुलिस अधीक्षक ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों एवं नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, साइबर अपराध, गुमशुदगी, राजस्व संबंधी प्रकरणों सहित विभिन्न पुलिस संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की तथ्यपरक जांच करते हुए पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना प्राथमिकता रहे। साथ ही शिकायतकर्ताओं को की गई कार्यवाही से समय-समय पर अवगत कराने तथा जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशील एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा उत्पीड़न पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। जिन प्रकरणों में तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें प्राथमिकता के आधार पर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

आकाशीय विद्युत एवं डूबने की घटनाओं में मृतकों के परिजनों को राहत सहायता राशि स्वीकृत

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आपदा से बचाव हेतु जनपदवासियों से की सतर्क रहने की अपील।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद में आकाशीय विद्युत एवं डूबने की घटनाओं में मृत व्यक्तियों के परिजनों को शासन द्वारा निर्धारित अहैतुक सहायता राशि प्रदान किए जाने की कार्यवाही तेजी से की जा रही है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि आकाशीय विद्युत की चपेट में आने से मृत अंशिका पुत्री रमाशंकर निवासी ग्राम नौगवांनंदलाल, घोरावल तथा आंचल पुत्री विनोद निवासी ग्राम बसदेवा, रॉबर्ट्सगंज के पोस्टमार्टम उपरांत उनके परिजनों के खातों में 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इसी प्रकार डूबने की घटना में मृत पीयूष पुत्र मिथलेश निवासी ग्राम कोटा, दुद्धी एवं पवन कुमार पुत्र मुखलाल निवासी नैकहा, ओबरा के परिजनों को भी 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। कृष्ण निषाद पुत्र अरविन्द निषाद निवासी रोगही, कोन तथा अंकित कुमार पुत्र उदय निवासी ग्राम कोटा, दुद्धी के पोस्टमार्टम एवं अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कराई जा रही हैं, जिसके बाद उनके परिजनों को भी सहायता राशि प्रदान कर दी जाएगी। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि आंधी-तूफान, तेज बारिश एवं आकाशीय विद्युत के दौरान घरों से बाहर न निकलें, पेड़ों, बिजली के खंभों एवं खुले स्थानों से दूर रहें। नदी, तालाब, पोखरों एवं जलाशयों के किनारे अनावश्यक रूप से न जाएं तथा बच्चों पर विशेष निगरानी रखें। किसी भी आपदा की स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन को सूचना देकर सुरक्षित स्थान पर रहें।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह
समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह
समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।
मो. - 9838159555, 9935457982
E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

इन दिनों सोनी सब चैनल के शो 'यादें' में दिग्विजय यानी डिग्गी के किरदार में अर्जुन पुंज नजर आ रहे हैं। वे फिटनेस को लाइफ के लिए बहुत इंपॉर्टेंट मानते हैं। यहां अपनी फिटनेस, डाइट प्लान और मेंटल हेल्थ के बारे में अर्जुन बता रहे हैं अपनी जुबानी।

फिटनेस सिर्फ बॉडी नहीं सोच-जिंदगी भी बदलती है

फिटनेस फंडा

अर्जुन पुंज

मेरा मानना है कि अच्छी जिंदगी के लिए हेल्दी और फिट रहना बहुत जरूरी है। फिटनेस सिर्फ अच्छे दिखने के लिए नहीं होती, बल्कि अंदर से स्वस्थ रहना भी उतना ही जरूरी है। शरीर एक मंदिर की तरह होता है। अगर लगातार खुद को फिट रखा जाए, तो यही शरीर बढ़ती उम्र में सबसे ज्यादा साथ देता है। हो सकता है कि अभी उसका असर तुरंत दिखाई न दे, लेकिन आगे चलकर वही फिटनेस काम आती है।

सलमान खान से मिली प्रेरणा: मेरे लिए हमेशा से सबसे बड़े फिटनेस आइडल सलमान खान रहे हैं। जब मैं पांचवीं या छठी क्लास में था, तब उनकी फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' आई थी। उसमें 'ओ ओ जाने जाना' गाने में उन्हें देखकर मैं बहुत इंस्पायर हुआ था। तभी मैंने सोच लिया था कि बड़ा होकर खुद को जरूर फिट रखूंगा। और भी कलाकार फिट रहे हैं, लेकिन सलमान खान ने जिस तरह जिम और बॉडी बिल्डिंग कल्चर को लोगों के बीच लोकप्रिय बनाया, वह शानदार है। आज भी बड़ी संख्या में युवा उनको फॉलो कर रहे हैं।

एनर्जेटिक रहना भी है जरूरी: यदि प्रोफेशन की बात करें, तो टीवी इंडस्ट्री में फिट दिखना जरूरी होता है। लेकिन आम लोगों के लिए सबसे जरूरी चीज है एनर्जेटिक महसूस करना। सिर्फ दिखने के लिए खुद को भूखा रखना, बहुत ज्यादा डाइटिंग करना या हर पसंद की चीज छोड़ देना सही नहीं है। इससे इंसान बाहर से फिट दिख सकता है, लेकिन अंदर से अच्छा महसूस नहीं करता। 12-12 घंटे काम करने वाले लोगों के लिए खुद को एनर्जेटिक रखना सबसे जरूरी है। यदि इंसान अंदर से खुश और एनर्जेटिक रहेगा, तो उसका असर उसके काम और आस-पास के माहौल पर भी दिखाई देगा।

डाइट प्लान: मैं सुबह नाश्ता नहीं करता। इसे इंटरमिटेंट फास्टिंग कहते हैं। रात को सवा आठ बजे तक खाना खा लेता हूं और फिर अगले दिन सीधे लंच करता हूं। इससे शरीर को थोड़ा आराम मिलता है। हर चीज जो 24 घंटे लगातार चलती रहती है, उसे थोड़ा ब्रेक मिलना चाहिए, दिल को छोड़कर। मैं नॉन-वेजिटेरियन हूं, इसलिए लंच में दाल, रोटी, सब्जी, सलाद के साथ कभी-कभी फिश या चिकन भी शामिल होता है। शाम को ओटमील, नट्स और फल लेता हूं और रात में अच्छा डिनर करता हूं। मुझे लगता है कि अच्छा डिनर करके आराम से इंटरमिटेंट फास्टिंग करना ज्यादा बेहतर है। फिट रहने के लिए मैं खुद को किसी चीज से दूर नहीं रखता। सब खाता हूं, लेकिन लिमिट में। यदि जरूरत से ज्यादा खाएंगे, तो सिर्फ वर्कआउट से फर्क नहीं पड़ेगा। संडे को छोले-भटूरे भी खाता हूं और चीट-डे पर पिज्जा, पास्ता, बर्गर भी चलता है। जिंदगी को एंजॉय करना भी जरूरी है। अच्छा खाना नहीं मिलेगा, तो इंसान थोड़ा मायूस रहेगा और फिर काम में भी मजा नहीं आएगा।

वर्कआउट में बैलेंस जरूरी: मेरा वर्कआउट वेट ट्रेनिंग और बॉडी वेट एक्सरसाइज दोनों का मिश्रण है। डंबल्स के साथ-साथ पुशअप्स, पुलअप्स जैसी एक्सरसाइज भी करता हूं। लंबे समय तक शरीर को मजबूत रखने के लिए दोनों चीजें जरूरी हैं। यदि लगातार शरीर से काम लिया जाए, तो बढ़ती उम्र में भी हर दिन के काम आसानी से होते हैं और सहारे की जरूरत कम पड़ती है।

मेंटल हेल्थ प्लानिंग: मेंटली स्ट्रॉन्ग रहने के लिए अंदर से मजबूत होना जरूरी है। अच्छे समय में तो हर इंसान खुश रहता है, लेकिन असली परीक्षा तब होती है, जब जिंदगी में मुश्किल समय चल रहा हो। जब काम नहीं हो, चीजें समझ नहीं आ रही हों और जिंदगी उलझी हुई लगे, तब भी पॉजिटिव बने रहना बहुत जरूरी है। खुद पर और ऊपर वाले पर भरोसा रखना चाहिए कि जो होगा, अच्छे के लिए होगा। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. प्रणव घोड़गांवकर
लीड न्यूरो-सर्जन एंड ऑन्को-ब्रेन सर्जन
कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

- *10वां बड़ा कारण है ब्रेन ट्यूमर भारत में विभिन्न रोगों से होने वाली मौतों का।*
- *आंकड़ों के अनुसार 3.2 लाख से अधिक लोगों की मौतें दुनिया भर में हर साल ब्रेन ट्यूमर के कारण होती हैं।*

हर वर्ष दुनिया में कई लाख लोग ब्रेन ट्यूमर की वजह से अपनी जान गंवा देते हैं। आमतौर पर इसे लाइलाज माना जाता है, जबकि सच्चाई यह है कि अगर समय रहते इसका पता चल जाए तो पूरा ट्रीटमेंट संभव है। इसलिए जरूरी है कि इसके प्रति अवेयर रहें और इसके लक्षण दिखने पर प्रॉपर डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट करवाया जाए। इस बारे में डिटेल में जानिए।

घबराएं नहीं-सजग रहें क्योरेबल है ब्रेन ट्यूमर

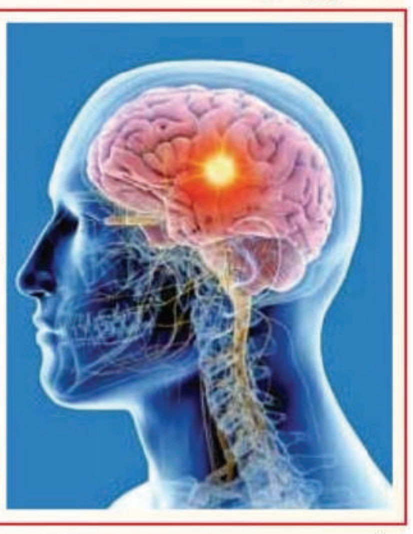

आधुनिक मेडिकल साइंस में हुई चमत्कारिक प्रगति के कारण मस्तिष्क या ब्रेन ट्यूमर के संदर्भ में अब घबराने की नहीं बल्कि जागरूक होने की जरूरत है। ऐसे ट्यूमर से ग्रस्त लोगों और उनके परिजनों को यह बात याद रखनी चाहिए कि समय रहते पता चलने पर ब्रेन ट्यूमर का अब समुचित उपचार संभव है।

क्या है ब्रेन ट्यूमर

जैसे शरीर के अन्य भागों में कोशिकाओं की असामान्य व अनियंत्रित वृद्धि के कारण कैंसर पनपता है, ठीक वैसे ही मस्तिष्क की कोशिकाओं (जिन्हें न्यूरॉन्स कहा जाता है) में अनियंत्रित व असामान्य वृद्धि होने से जो गांठ बन जाती है, उसे ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। ब्रेन कैंसर का एक स्वरूप है-ब्रेन ट्यूमर। एक अध्ययन से पता चला है कि समस्त प्रकार के ब्रेन कैंसर, ट्यूमर होते हैं, किंतु सभी ब्रेन ट्यूमर कैंसर नहीं होते हैं।

ब्रेन ट्यूमर के प्रकार

मस्तिष्क में स्थित जो ट्यूमर कैंसर रहित होते हैं, उन्हें बिनाइन ब्रेन ट्यूमर कहा जाता है और जिन ट्यूमर्स में कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि से गांठ पड़ जाती है, उन्हें मैलिग्नेंट या 'कैंसरस' ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। ब्रेन ट्यूमर में मस्तिष्क के टिश्यूज असामान्य रूप से तेजी से बढ़ते हैं, जिसके परिणामस्वरूप मस्तिष्क के आंतरिक भाग में दबाव बढ़ता है। नतीजतन सिरदर्द आदि समस्याएं शुरू हो जाती हैं।

प्राइमरी और मेटास्टेटिक ट्यूमर: जो ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क में उत्पन्न होते हैं, उन्हें प्राइमरी ब्रेन ट्यूमर कहा जाता है और जो ट्यूमर मस्तिष्क से परे शरीर के दूसरे अंगों जैसे किडनी, लिवर और फेफड़ों आदि के जरिए मस्तिष्क तक पहुंचते हैं, उन्हें सेकेंडरी या मेटास्टेटिक ब्रेन ट्यूमर कहते हैं।

ब्रेन ट्यूमर के कारण

ब्रेन ट्यूमर होने का कोई एक निश्चित व विशिष्ट कारण अभी तक ज्ञात नहीं हो सका है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार व्यक्ति की जेनेटिक प्रोग्रामिंग की सीक्वेंसिंग में होने वाली गड़बड़ी या जींस से संबंधित गड़बड़ियों के कारण ज्यादातर ट्यूमर उत्पन्न होते हैं। बावजूद इसके कुछ ऐसी स्थितियां हैं, जिनके परिणामस्वरूप इसके होने का जोखिम बढ़ सकता है। जैसे-

विकिरण (रेडिएशन) युक्त अनहेल्दी माहौल: जिस माहौल में आप रहते हैं, वहां पर किसी रासायनिक या अन्य विषाक्त गैसों का रेडिएशन रिस्की हो सकता है। अगर किसी वस्तु या स्थान से रेडिएशन हो रहा है तो कालांतर में ऐसे माहौल में रहने से ब्रेन ट्यूमर का जोखिम बढ़ सकता है।

ब्रेन ट्यूमर के सामान्य लक्षण

ब्रेन ट्यूमर के कोई स्पेसिफिक लक्षण नहीं होते हैं। सिर में लगातार दर्द रहना, लेकिन कालांतर में तेज सिरदर्द होना। ब्रेन ट्यूमर का दर्द आमतौर पर सुबह के वक्त ज्यादा होता है। सिरदर्द के साथ उल्टी होना। उल्टी के बाद सिरदर्द में तात्कालिक तौर पर राहत मिल जाती है। शरीर के किसी भाग जैसे दाएं हाथ व पैर या बाएं हाथ और पैर में कमजोरी महसूस करना। बोलने में दिक्कत महसूस होना। किसी बात को समझने या फिर भाषा को समझने में दिक्कत। ट्यूमर न्यूरॉन्स को दबाते हैं, जिसके कारण मिर्गी के दौरे पड़ते हैं। नेत्र ज्योति का कम होते जाना या धुंधला दिखाई पड़ना। मेमोरी कमजोर होना। पढ़ने या लिखने में परेशानी महसूस करना। हर वस्तु का दोहरा (डबल) स्वरूप दिखाई पड़ना। शारीरिक संतुलन खोना या चक्कर आना। स्वाद व सूंघने की शक्ति का कमजोर होना जैसे लक्षण दिख सकते हैं।

डायग्नोसिस के तरीके

सीटी स्कैन (ब्रेन): इसकी सहायता से मस्तिष्क के आंतरिक भागों की फोटो देखकर मर्ज की स्थिति का आकलन किया जाता है।

एमआरआई (ब्रेन): इसके अंतर्गत रेडियो सिग्नल की मदद से मस्तिष्क की संरचना से संबंधित जानकारियां ली जाती हैं।

फंक्शनल एमआरआई (ब्रेन): फंक्शनल एमआरआई की जांच से ब्रेन ट्यूमर की सर्जरी अब कहीं ज्यादा बेहतर हो चुकी है। इसका कारण यह है कि इस विशिष्ट एमआरआई से मस्तिष्क के आंतरिक भाग की गतिविधियों और ट्यूमर के कारण मस्तिष्क के अमुक भाग में हुई क्षति का सटीक आकलन किया जा सकता है।

इलाज के तरीके

सर्जरी: जांचों के आधार पर न्यूरो सर्जन यह बात सुनिश्चित करते हैं कि ब्रेन ट्यूमर का आकार और उसकी स्थिति क्या है। इसके बाद ही ट्यूमर की सर्जरी का निर्णय लिया जाता है।

एंडोस्कोपिक सर्जिकल प्रक्रिया: ब्रेन ट्यूमर को हटाने में इस प्रक्रिया का भी सहारा लिया जाता है।

विकिरण (रेडिएशन) थेरेपी: इन दिनों प्रचलन में जारी लगभग सभी रेडिएशन थेरेपीज 'फोकस्ड' या 'टारगेटेड' होती हैं। फोकस्ड या टारगेटेड से यहां आशय ऐसी रेडिएशन थेरेपी से है, जिससे कैंसरग्रस्त कोशिकाओं या ट्यूमर के अलावा आसपास स्थित अन्य स्वस्थ टिश्यूज और कोशिकाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचता। कैंसरग्रस्त ट्यूमर को हटाने के लिए विकिरण चिकित्सा का सहारा लेते हैं।

गामा नाइफ: यह एडवांस रेडियोथेरेपी प्रोसीजर है। इस आधुनिक प्रोसीजर से ट्यूमर को खत्म करते हैं।

साइबर नाइफ रेडिएशन थेरेपी: अगर ट्यूमर का आकार टेढ़ा है या फिर अंडाकार है, तो ऐसे मामलों में साइबर नाइफ बेहतर साबित होता है।

प्रोटॉन बीम थेरेपी: कैंसर के इलाज में यह सबसे आधुनिक चिकित्सा पद्धति है। इसमें ब्रेन ट्यूमर को हटाने के लिए प्रोटॉन की किरणों का उपयोग करते हैं, जबकि ज्यादातर रेडिएशन थेरेपी में एक्स-रे का उपयोग होता है।

कीमोथेरेपी: इसके अंतर्गत ट्यूमर को समाप्त करने के लिए दवाओं का उपयोग किया जाता है।

ब्रेन ट्यूमर से बचाव

फिलहाल किसी वैक्सीन या दवा से ब्रेन ट्यूमर से बचाव संभव नहीं है। हालांकि धूम्रपान, शराब या अन्य नशों से दूर रहकर आप काफी हद तक स्वस्थ बने रह सकते हैं, लेकिन ये सब बातें प्राइमरी ब्रेन ट्यूमर्स से बचाव के संदर्भ में लागू नहीं होतीं। हां, सेकेंडरी ब्रेन ट्यूमर्स (मेटास्टेटिक) को परोक्ष रूप से स्वास्थ्यकर जीवनशैली पर अमल कर रोका जा सकता है। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

ब्रेन ट्यूमर से रिलेटेड मिथ-फैक्ट

मिथ: तमाम लोगों का ऐसा मानना है कि मोबाइल फोन का अधिक इस्तेमाल कालांतर में ब्रेन ट्यूमर का कारण बन सकता है।
फैक्ट: ब्रिटेन के यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन में हुए एक अध्ययन के अनुसार अभी तक दुनिया भर में जो शोध, अध्ययन हुए हैं, उनसे यह बात प्रमाणित नहीं होती कि मोबाइल फोन से ब्रेन ट्यूमर होता है। बावजूद इसके तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि लंबे समय तक विकिरण (रेडिएशन) के प्रभाव में रहने से शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए विकिरण रहित स्वच्छ पर्यावरण व वातावरण में रहना मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत सुरक्षित होता है।

मिथ: तनावग्रस्त रहने से ब्रेन ट्यूमर होता है।
फैक्ट: इस तरह की धारणा बेबुनियाद है। ऐसे किसी शोध व अध्ययन से फिलहाल यह जानकारी नहीं मिली है कि तनावग्रस्त रहने से व्यक्ति ब्रेन ट्यूमर से ग्रस्त होता है।
मिथ: युवाओं को ब्रेन ट्यूमर नहीं होता।
फैक्ट: ब्रेन ट्यूमर सभी आयु वर्ग के लोगों को अपनी गिरफ्त में ले सकता है। चाहे वे युवा हों, वयस्क या फिर बुजुर्ग। इसका उम्र से कोई संबंध नहीं होता है।
मिथ: उम्र बढ़ने पर ब्रेन ट्यूमर के मामले भी बढ़ते जाते हैं। यानी ओल्ड एज में इसकी आशंका बढ़ जाती है।
फैक्ट: ऐसा कुछ भी नहीं है। किसी भी व्यक्ति के जीवनकाल में मैलिग्नेंट ब्रेन ट्यूमर होने का खतरा 1 प्रतिशत से कम होता है।

डाइट सजेशन

शिखर चंद जैन

आज की फास्ट लाइफस्टाइल में लोग अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड यानी रेडी टू ईट या फ्रोजेन या पैक्ड फूड्स का सेवन काफी करने लगे हैं। इससे फिजिकल हेल्थ पर तो कई तरह से बुरा असर पड़ता ही है, कई मेंटल प्रॉब्लम्स भी हो सकती हैं। एक स्टडी में इस बात का खुलासा हुआ है। इसलिए इस बारे में जानना बहुत जरूरी है।

मेंटल हेल्थ को प्रभावित करता है अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के सेवन से लिवर फैट, कोलेस्ट्रॉल बढ़ने, मोटापा, माइग्रेन, हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं तो होती ही हैं। इसके अलावा इससे मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। इस संबंध में कई शोध ऐसे हो चुके हैं जिनसे यह बात प्रमाणित होती है। ऐसे कुछ शोध अमेरिका की संस्था सैपियन लैब्स में हुए, जो वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य और मानव मस्तिष्क की कार्यप्रणाली का अध्ययन करती है। इसका मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट के कारणों को समझना और 'ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट' के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य भागफल का डेटा एकत्र करना है। यह 'मेंटल हेल्थ मिलियन प्रोजेक्ट' द्वारा मानसिक स्वास्थ्य का आकलन भी करती है। सेपियन लैब्स की 2025 की 'ग्लोबल माइंड हेल्थ' रिपोर्ट में यह पाया गया कि 18-34 वर्ष के युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ने का एक मुख्य कारण अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का अधिक सेवन है। भारत में इस आयु वर्ग के 44 प्रतिशत युवा इसका सेवन कर रहे हैं, जो अवसाद और कम भावनात्मक नियंत्रण से जुड़ा है।

क्या कहती है लेटेस्ट रिसर्च

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड और मानसिक स्वास्थ्य के बीच के संबंध पर हालिया रिसर्च काफी चौंकाने वाली है। मानसिक स्वास्थ्य सूचकांक में गिरावट के कारणों से संबंधित रिसर्च में पाया गया कि जो लोग दिन में 3 बार या उससे अधिक अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड (जैसे चिप्स, सोडा, इंस्टेंट नूडल्स, फ्रोजन मील) खाते हैं, उनका 'मेंटल हेल्थ कोशेंट' उन लोगों की तुलना में बहुत कम होता है, जो इसे कभी-कभार खाते हैं।

युवाओं पर गहरा असर

संस्थान के द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया है कि भारत में 18-34 वर्ष के लगभग 44 प्रतिशत युवा भारी मात्रा में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का सेवन कर रहे हैं। इस समूह में डिप्रेशन (अवसाद), एंग्जायटी (घबराहट) और इमोशनल कंट्रोल की कमी के मामले सबसे अधिक देखे गए। इनका अधिक सेवन मस्तिष्क के उन हिस्सों को प्रभावित करता है, जो भावनाओं को नियंत्रित करते हैं।

मेंटल हेल्थ पर दुष्प्रभाव

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स के मेंटल हेल्थ पर पड़ने वाले असर के बारे में वैज्ञानिकों ने इस शोध में तीन मुख्य कारण बताए हैं-

गट-ब्रेन एक्सिस: अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में मौजूद प्रिजर्वेटिव्स और आर्टिफिशियल स्वीटनर्स, पेट के अच्छे बैक्टीरिया को खत्म कर देते हैं। चूंकि 90 प्रतिशत सेरोटोनिन (हैप्पी हार्मोन) पेट में बनता है, इसलिए खराब पाचन सीधे तौर पर खराब मूड और तनाव का कारण बनता है।

न्यूरो-इंफ्लेमेशन: अल्ट्रा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में मौजूद 'इमल्सीफायर्स' मस्तिष्क में सूजन पैदा कर सकते हैं, जिससे सोचने-समझने की क्षमता और याददाश्त पर बुरा असर पड़ता है।

पोषक तत्वों की कमी: इस शोध में यह भी पाया गया कि अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड खाने वाले लोगों के मस्तिष्क को जरूरी ओमेगा-3 और विटामिन नहीं मिल पाते, जिससे मानसिक थकान बढ़ती है।

व्यवहार में आए बदलाव

अधिक अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड खाने वाले लोगों में 'कॉग्निटिव डिक्लाइन' (मानसिक क्षमताओं में गिरावट) के लक्षण जल्दी देखे गए हैं। इनमें छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ापन और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई यानी ब्रेन फॉग भी शामिल होता है।

समस्या का समाधान

इस रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिकों का सुझाव है कि आहार में 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा 'होल फूड्स' (फल, सब्जियां, दालें, अनाज) का होना चाहिए। यदि अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का सेवन दिन में एक बार से कम कर दिया जाए, तो मानसिक स्वास्थ्य स्कोर में 15-20 प्रतिशत तक सुधार देखा जा सकता है।

हार्मफुल अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड

शुगरी ड्रिंक्स और सोडा: कोला, एनर्जी ड्रिंक्स और पैकेट वाले 'फ्रूट जूस' (जिनमें चीनी/रंग ज्यादा होता है), सीधे तौर पर मानसिक सुस्ती और चिड़चिड़ापन बढ़ाते हैं।

इंस्टेंट नूडल्स और सूप: इनमें 'एमएसजी' यानी मोनो सोडियम ग्लूकानेट और अत्यधिक सोडियम होता है, जो मस्तिष्क की नसों पर दबाव डाल सकता है और 'ब्रेन फॉग' (मानसिक धुंधलापन) पैदा करता है।

फ्रोजन और रेडी-टू-ईट मील: फ्रोजन पिज्जा, बर्गर पेटीज और पैकेट बंद स्नैक्स आदि में 'इमल्सीफायर्स' होते हैं, जो पेट की परत को नुकसान पहुंचाकर मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

स्वीट ब्रेकफास्ट सीरियल्स: इनमें रिफाइंड शुगर बहुत ज्यादा होती है, जिससे 'शुगर क्रैश' होता है और थकान बढ़ती है।

प्रोसेस्ड मीट: प्रोसेस्ड मीट में मौजूद 'नाइट्रेट्स' शरीर में सूजन बढ़ाते हैं।

बरतें सावधानी

यदि किसी फूड पैकेट के पीछे 5 से ज्यादा सामग्री लिखी हैं, या ऐसे नाम लिखे हुए हैं, जिन्हें आप पढ़ या समझ नहीं पा रहे तो इस बात की संभावना अधिक है कि वह फूड आइटम अल्ट्रा-प्रोसेस्ड है। *

ये हैं हेल्दी डाइट ऑप्शंस

नारियल पानी, नीबू पानी या छाछ पीने की आदत डालें। इनमें नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो मूड सुधारते हैं। व्हाइट ब्रेड या मीठे सीरियल्स के बजाय ओट्स, दलिया या पोहा खाना फायदेमंद है क्योंकि ये धीरे-धीरे एनर्जी रिलीज करते हैं, जिससे बॉडी में शुगर लेवल स्थिर रहता है। आलू के चिप्स या कुरकुरे की बजाय भुने हुए मखाने, चने या नट्स (बादाम, अखरोट) आदि लें। नट्स में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड मस्तिष्क के लिए सुपरफूड जैसा काम करता है। इंस्टेंट नूडल्स के विकल्प के रूप में सूजी की सिंवइयां या घर का बना पास्ता खाएं। इनमें प्रिजर्वेटिव्स नहीं होते और ये सुपाच्य होते हैं। बिस्किट या कुकीज नहीं, ताजे फल या डार्क चॉकलेट (70 प्रतिशत कोको) खाएं। कई स्टडीज में सामने आया है कि डार्क चॉकलेट तनाव कम करने वाले हार्मोन रिलीज करती हैं।

ट्रंप का जबरन मजदूरी टैरिफ

अब अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप जबरन मजदूरी के वैश्विक पैरोकार बनना चाहते हैं। उनके निशाने पर भारत समेत 54 देश ऐसे हैं, जो बंधुआ अथवा जबरन मजदूरी से बनाए गए सामान के आयात रोकने में नाकाम रहे हैं। अमरीकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत एक प्रस्ताव दिया है कि इन देशों पर 12.5 फीसदी टैरिफ लगाया जाए। वैसे अमरीकी सर्वोच्च अदालत ट्रंपवादी टैरिफ को अवैध करार दे चुकी है, फिर भी राष्ट्रपति को अधिकार प्राप्त हैं कि वह एक निश्चित अवधि तक 10 फीसदी टैरिफ लगा सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसी संवैधानिक प्रावधान का इस्तेमाल करते हुए जो वैश्विक टैरिफ लगाया था, उसकी अवधि 24 जुलाई को समाप्त हो रही है। दरअसल ट्रंप बुनियादी तौर पर व्यापारी हैं और राष्ट्रपति कार्यालय भी उसी मानस के साथ धकेलना चाहते हैं। यदि भारत, चीन, जापान, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सऊदी अरब आदि देशों में जबरन मजदूरी प्रचलित है, तो अमरीकी राष्ट्रपति के पेट में दर्द क्यों हो रहा है? क्या ट्रंप को यह ठेकेदारी भी मिली है? भारत का ही उदाहरण लें, तो वहां अनुमान है कि 1 करोड़ 10 लाख 50,000 से अधिक जबरन श्रम से पीड़ित, विवश लोग हैं। वे बाल-मजदूर, बंधुआ अथवा गुलाम मजदूर भी हो सकते हैं। देश के ईंट-भट्टों, कृषि, कपास, वस्त्र उद्योग, खनन, झींगा प्रसंस्करण, घरेलू काम, कालीन बुनाई, पत्थर की खदानों आदि में जबरन मजदूरी का चलन है। हालांकि भारत में बंधुआ मजदूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम की व्यवस्था भी है, लेकिन उन स्थितियों से अमरीका पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? यह अमरीका की समस्या नहीं है, लेकिन टैरिफ के लिए ट्रंप कुछ भी कर सकते हैं और कोई भी दलील दे सकते हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ने नए टैरिफवाद के लिए एक और क्षेत्र चुन लिया है। बंधुआ-बाल मजदूरी या पीढ़ी-दर-पीढ़ी गुलामी के संदर्भ में अमरीका ने कौन से ठोस और कारगर प्रयास किए हैं? दरअसल इस जबरन मजदूरी टैरिफ का प्रस्ताव ऐसे समय सामने आया है, जब भारत में अमरीकी प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की 99 फीसदी रूपरेखा तय की जा चुकी है। यह पुष्टि केंद्रीय उद्योग-वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी की है। अंतिम 1 फीसदी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत को लगता है कि जबरन श्रम टैरिफ के जरिए अमरीका अनधिकार चेष्टा कर रहा है। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध के घाटे और नुकसान की भरपाई अब एक और टैरिफ के माध्यम से करना चाहते हैं। उस थोपे हुए, फिजूल, नाकाम युद्ध पर अमरीका के 100 अरब डॉलर फूंके जा चुके हैं। बेशक यह सच है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने जैसे को तैसा टैरिफ के जरिए 214 अरब डॉलर कमाए थे, लेकिन अदालती आदेश के बाद अमरीका को 165 अरब डॉलर वापस रिफंड करने पड़े। इसके बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप विचलित नहीं हुए। उन्हें जबरन टैरिफ से इतना लगाव है कि उन्होंने दर्जनों व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ थोपने का प्रस्ताव तैयार कराया है। दूसरी ओर कनाडा, पाकिस्तान, मैक्सिको, इंडोनेशिया आदि कुछ देश ऐसे बताए गए हैं कि जो जबरन श्रम वाले सामान को आयात नहीं करते अथवा बहुत कम करते हैं। उन पर अमरीका 10 फीसदी टैरिफ लगाएगा। वह किसी को छोड ? वाला नहीं है, क्योंकि उन्हें अमरीका की अर्थव्यवस्था को संतुलित करना है। अमरीकी कानून का दोगलापन देखिए कि जबरन श्रम के संदर्भ में उसने दुर्लभ खनिज, कुछ और धातुओं, कॉफी, फार्मा, विमान के कुछ हिस्से आदि के क्षेत्रों को छूट दे रखी है। कोबाल्ट की खदानों में जो शोषण जारी रहा है, यदि अमरीका को अनुकूल लगता है या उससे फायदा होता है, तो उस शोषण का भी स्वागत है। वाह ! सुपरपॉवर अमरीका ! ! बहरहाल अभी तो प्रस्ताव रखा गया है। अभी भारत समेत 54 देशों पर लागू किया जाना शेष है। सुनवाई का समय 22 जून तय किया गया है, लेकिन अमरीका और राष्ट्रपति ट्रंप के मंसूबे साफ हैं। यह अमरीका की धमकी भी हो सकती है, ताकि भारत से व्यापार समझौते में कुछ और रियायतें हासिल की जा सकें। भारत को अमरीकी ब्लैकमेल के सामने झुकना नहीं चाहिए और प्रस्तावित टैरिफ का सख्ती से जवाब देना चाहिए। ट्रंप को समझना मुश्किल है। वह कभी टैरिफ लगा देते हैं, कभी इसकी वापसी कर देते हैं। वह एक ओर भारत को अपना मित्र बताते हैं, तो दूसरी ओर नए-नए टैरिफ लगाने की धमकी देने लगते हैं। अमरीकी सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बावजूद वह अपना तानाशाही रवैया नहीं छोड़ रहे हैं।